C M Y K

आज का विचार

रिश्तों की कदर भी पैसों की तरह ही करनी चाहिए। क्योंकि दोनों को कमाना मुश्किल है और गंवाना आसान।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-79 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, गुरूवार 22 मई , 2025

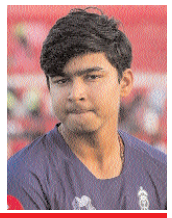

जल संरक्षण हेतु मंत्री ने दिलाई जन जागरूकता की शपथ

राजस्थान ने चेन्नई को 6 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने खेली एक और शानदार पारी

पहला कॉलम

पाकिस्तान बिगड़ी औलाद, सिखाएंगे सबक. पड़ोसी मुल्क पर भड़के बाबा बागेश्वर

मुजफ्फरपुर ,21 मई (ए)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग को लेकर नई पहल की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि वह आगामी 7 नवंबर से नई दिल्ली से वृंदावन तक 131 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकालेंगे, जो 10 दिनों तक चलेगी। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए वह लगातार संघर्षरत रहेंगे। उन्होंने जातिवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जातियों में बांटकर वोट बैंक की राजनीति अब बंद होनी चाहिए। उन्होंने नेताओं से आग्रह किया कि जातिवाद नहीं, राष्ट्रवाद को प्राथमिकता दें। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को बिगड़ी औलाद बताते हुए कहा कि भारत की बेटियों ने ही उसे सीधा कर दिया। बेटों के हाथ कमान दिया तो क्या होगा। अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो आगे भी सबक सिखाएंगे। साथ ही उन्होंने सीमा राज्यों की सरकारों से आग्रह किया कि वे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में प्रवेश न दें। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही बड़ी संख्या में गरीब हैं, ऐसे में घुसपैठियों को शरण देना देश को कमजोर करना होगा।

कुछ अलग

नालंदा के नौलखा मंदिर में लूट मामले में पुजारी के भतीजे समेत पांच गिरफ्तार, आठ लाख रुपए बरामद

बिहारशरीफ ,21 मई (ए)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में श्वेतांबर धर्मशाला, नौलखा मंदिर की दान पेटी में रखे पैसों के लूट मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पुजारी के भतीजे सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से लूट के आठ लाख रुपए से ज्यादा की राशि भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 19 मई की रात पुलिस को सूचना मिली कि नौलखा मंदिर में लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने और तकनीक की मदद से घटना के कुछ ही घंटों में पुलिस को सुराग मिल गए।

नालंदा के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बुधवार को बताया कि मंदिर परिसर के अंदर ही लूट की साजिश रची गई थी। उन्होंने बताया कि विशेष जांच टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य पुजारी का भतीजा पुरी गांव निवासी विनीत कुमार, भतीजा परमीत तिवारी, धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर उपाध्याय टोला निवासी बच्चन उपाध्याय, वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसढ़ गांव निवासी कन्हैया कुमार और हीरा कुमार शामिल हैं। इनके पास से दानपात्र से लूटे गए आठ लाख पांच हजार रुपए, एक देशी पिस्तौल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खून लगा चाकू और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

खरी-खरी

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर सबसे बड़ी कार्रवाई :

अबुझमाड़ में 28 नक्सली ढेर, एक करोड़ का इनामी राजू भी मारा गया

रायपुर ,21 मई (ए)। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही निर्णायक लड़ाई ने एक बड़ा मोड़ ले लिया है। नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 28 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। इस भीषण मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि एक अन्य घायल हुआ है, जिसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

यह मुठभेड़ कोई सामान्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे बड़ी नक्सल विरोधी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। पिछले 50 घंटों से ज्यादा समय से ऑपरेशन लगातार जारी है। डीआरजी के बहादुर जवानों ने बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कोंडागांव जिलों की सीमाओं से लगे घने जंगलों में संयुक्त कार्रवाई की।

सूत्रों के मुताबिक, अबुझमाड़ के गहरे जंगलों में नक्सलियों के बड़े कमांडरों को घेर लिया गया था। जैसे ही सुरक्षा बलों ने घेरा सख्त किया, मुठभेड़ तेज हो गई और अंततः 28 नक्सली मारे गए। मारे गए नक्सलियों में कई शीर्ष स्तरीय कमांडर शामिल हैं।

राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने दी जानकारी

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए कहा, यह ऑपरेशन सुरक्षाबलों की वीरता और रणनीतिक कौशल का जीता-जागता उदाहरण है। जवानों की भुजाओं की ताकत से नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता मिली है। अभी सर्च ऑपरेशन जारी है, और मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एक जवान घायल हुआ है जो खतरे से बाहर है, जबकि एक सहयोगी वीरगति को प्राप्त हुए हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक मोर्चा छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव जैसे जिलों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। सुरक्षाबलों को इन इलाकों में स्थानीय लोगों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है, जो अब हिंसा और भय से बाहर आना चाहते हैं।

अबुझमाड़ : लंबे समय से रहा है नक्सलियों का गढ़

अबुझमाड़ वह इलाका है जो भूगोल की दृष्टि से दुर्गम और राज्य के सबसे संवेदनशील नक्सल इलाकों में से एक रहा है। यह क्षेत्र लंबे समय तक सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौती बना रहा, लेकिन अब यहां पर नक्सलियों की पकड़ ढीली पड़ती दिख रही है।

राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों का कहना है कि यह ऑपरेशन अभी समाप्त नहीं हुआ है। मुठभेड़ स्थल से अब भी डेडबॉडीज बरामद की जा रही हैं, और कुछ नक्सली जंगलों में घायल अवस्था में भागे हैं जिनकी तलाश की जा रही है। यह कार्रवाई सिर्फ नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सैन्य जीत नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के उन हजारों गांवों के लिए उम्मीद की नई किरण है जो दशकों से खून-खराबे और डर के साए में जी रहे थे। यह मुठभेड़ एक संदेश है—अब जंगलों की वीरानियों में बंदूकें नहीं, विकास की आवाज गूंजेगी।

एक करोड़ का इनामी नक्सली लीडर 'राजू' भी ढेर

इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि सुरक्षाबलों ने एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली कमांडर 'राजू' को भी मार गिराया। राजू छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों का मास्टरमाइंड था। उसने कई हमलों की साजिश रची थी और दर्जनों सुरक्षाबलों की शहादत का जिम्मेदार था।

अयोध्या धाम, उत्तराखंड, वाराणसी, बिहार और उज्जैन भी गई थी ज्योति मल्होत्रा

0 मार्च में पाक हाई कमीशन के अधिकारी दानिश से मिली थी

0 बांग्लादेशी जासूसी मॉड्यूल से भी जुड़ना चाहती थी ज्योति

0 एनआईए और आईबी कर रहे जांच, आज किया जाएगा कोर्ट में पेश

नई दिल्ली : हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा से एनआईए और आईबी की पूछताछ जारी है। पहलगाम आतंकी हमले में भी उसका हाथ हो सकता है। इस एंगल से जांच जारी है।

अधिकारियों को कुछ कड़ियां जुड़ती दिख रही हैं, क्योंकि ज्योति के खिलाफ कुछ पुख्ता सबूत मिले हैं। पता चला है कि मार्च में आखिरी बार ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तान हाई कमीशन के अधिकारी दानिश से मिली थी। उसके बाद चैट होती रहती थी।

ज्योति ने कबूला गुनाह?

इस बीच, खबर है कि ज्योति मल्होत्रा ने कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ संबंध होने की बात कबूल की है और कहा है कि वह नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के पूर्व अधिकारी दानिश के लगातार संपर्क में थीं।

अयोध्या धाम, उत्तराखंड, वाराणसी, बिहार और उज्जैन भी पहुंची

ज्योति मल्होत्रा का अयोध्या, उत्तराखंड, वाराणसी और उज्जैन से भी संबंध उजागर हुआ है। उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ, जिसमें वो श्रीराम मंदिर सहित अन्य प्रमुख स्थानों के बारे में वह जानकारी साझा करती दिखाई पड़ रही है।

साथ ही उसके यूट्यूब चैनल पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, दशाश्वमेध समेत विभिन्न गंगा घाटों, गंगा आरती, यहां की गलियों, खान-पान की दुकानों आदि के वीडियो अपलोड हैं। जांच के लिए दिल्ली से एक टीम काशी भी गई थी।

देशभक्ति खून से आती है, कागज या फॉर्म भरने से नहीं, मनजिंदर सिरसा का राहुल गांधी पर वार

नई दिल्ली ,21 मई (ए)। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 'ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाने पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि देशभक्ति खून से आती है, कागज या फॉर्म भरने से नहीं आती है। राहुल गांधी चीन से चंदा लेते हैं और पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, फिर भी वह अपने आपको भारतीय बोलते हैं। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राहुल गांधी कभी हमारे देश के नहीं हो सकते हैं। राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी इस देश से नहीं हैं। देशभक्ति कागज या फॉर्म भरने से नहीं, खून से आती है। अगर फॉर्म भरने से देशभक्ति आती, तो फिर रोहिंग्या और बांग्लादेश के अंदर भी देशभक्ति होती। हम देश के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। राहुल गांधी के अंदर ये जज्बा नहीं है। राहुल गांधी चीन से चंदा लेते हैं, तुर्की में अपना

दफ्तर खोलते हैं और पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। वह इंग्लैंड के अपने कागज और पासपोर्ट लेकर घूमते हैं। फिर भी अपने आपको भारतीय बताते हैं, ऐसे लोगों के अंदर देशभक्ति नहीं आ सकती है। 'ऑपरेशन सिंदूरइ को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के छिटपुट युद्ध वाले बयान पर मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उनको एक बार बॉर्डर पर भेज दीजिए। तब उन्हें पता चलेगा कि 'छिटपुट क्या होता है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के ऑपरेशन सिंदूर से 'हमें क्या फायदा हुआइ वाले बयान पर भी सिरसा ने पलटवार किया। सिरसा ने महबूबा मुफ्ती को घेरते हुए कहा कि उन्हें तो कुछ भी नहीं मिलना था। महबूबा मुफ्ती जिनकी चिंता कर रही हैं, वो बचने वाले नहीं हैं, जो बच गए हैं वो भी खत्म होने वाले हैं, उनकी चिंता मत करिए, इस देश की चिंता करिए जो आपको खाने को देता है। इस देश की चिंता करिए, जिसने आपको राज दिया है, जिनको बचाने के लिए वह आराधना कर रही हैं, उनको अब कोई नहीं बचा पाएगा।

तिरंगा यात्रा को लेकर मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, मुझे आज बहुत खुशी है, हमारी तीनों सेनाओं के पराक्रम के लिए दिल्ली की सड़कों पर सिख समुदाय तिरंगा झंडा लेकर निकले हैं। हम सेना के जवानों को बताना चाहते हैं, जिन्होंने 100 किलोमीटर पाकिस्तान के अंदर घुसकर दुश्मनों को मिट्टी में मिलने का काम किया है। हम उनके शौर्य और वीरता को सलाम करते हैं। मैं सेना के जवानों को कहना चाहता हूं कि हम उनकी मां के चरणों में शीश झुकाकर उनकी वंदना करते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूरइ की सफलता के बाद देशभर में भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में राजधानी दिल्ली में बुधवार को सिख समुदाय की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी हिस्सा लिया।

खडगे के बयान पर भड़की भाजपा, सुंधाशु त्रिवेदी बोले- ऑपरेशन सिंदूर को मामूली घटना बताना सेना का अपमान है

नई दिल्ली ,21 मई (ए)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'ऑपरेशन सिंदूरइ को लेकर दिए बयान पर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस नेताओं के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को मामूली घटना कहना न केवल निंदनीय है, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों का भी अपमान है।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को एक बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य और पराक्रम के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर को मामूली घटना कहना न केवल निंदनीय है, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों के साहस और 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का अपमान भी है। इससे पहले, राहुल गांधी ने भी भारतीय विमानों और अन्य संबंधित मामलों पर अनुचित टिप्पणियां की थीं, जैसा कि वे पहले भी बार-बार करते रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी और अब मल्लिकार्जुन खडगे के बयानों के बाद स्पष्ट हो गया है कि हाल के दिनों में 'इंडी गठबंधनइ के नेताओं के बयान आकस्मिक नहीं, बल्कि एक सुविचारित, भारत-विरोधी और पाकिस्तान को ऑक्सीजन देने वाली विचारधारा से प्रेरित हैं। खडगे का बयान यह भी दशार्ता है कि 'इंडिया गठबंधनइ नाम रख लेने से कोई दिल से

इंडियन नहीं हो जाता। आज तथाकथित 'इंडिया गठबंधनइ के नेताओं के बयान जिस तरीके से पाकिस्तान की मीडिया में, पाकिस्तान की संसद में, पाकिस्तान की डिफेंस फोर्सेज की ब्रीफिंग में, पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिए जा रहे हैं, मुझे लगता है कि 'इंडिया गठबंधनइ का नाम इंडिया रखना मुखौटा है, अंदर से ऐसा दिखाई पड़ता है कि यह 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ पाकिस्तानइ होता चला जा रहा है।

सुधांशु त्रिवेदी ने शहबाज शरीफ के बयान का जिक्र करते हुए कहा, मैं खडगे को एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का ऑन रिकॉर्ड एक बयान है। शाहबाज शरीफ ने कहा कि हमें रात को 2:30 बजे 9 और 10 मई की दरमियानी रात को जगाया और कहा कि हिंदुस्तान ने हमारे नूर खान एयरबेस के ऊपर मिसाइल गिरा दी है। अगर इसके बाद भी कांग्रेस, खडगे और राहुल गांधी को छिटपुट घटना नजर आती है तो यह दशार्ता है कि उनकी सोच कितनी छोटी है। यह वही पार्टी है, जिसके नेता सिद्धू पाकिस्तान जाकर वहां के सेनाध्यक्ष को गले मिल चुके हैं। यही नहीं, उनके नेता मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान जाकर पीएम मोदी को हटाने की गुजारिश कर चुके हैं और उनकी सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी आतंकवादियों के लिए आंसू तक बहा चुकी हैं। इससे एक बात बिल्कुल साफ हो जाती है कि कांग्रेस की सोच राष्ट्रवाद के लिए जितनी छोटी है, आतंकवाद के लिए उनकी खाल उतनी ही मोटी है।

उन्होंने कहा, आज ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस और 'इंडी गठबंधनइ के नेताओं में पाकिस्तान के चैनलों में अपनी पॉपुलैरिटी पाने की एक होड़ लग गई है। हो सकता है कि खडगे का बयान कर्नाटक की स्थानीय राजनीति से भी प्रेरित हो, क्योंकि जब सिद्धारमैया के बयान को पाकिस्तानी में पॉपुलैरिटी मिल गई तो उन्हें क्यों नहीं मिली? कांग्रेस नेताओं के बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि वे लोग पाकिस्तान में पॉपुलैरिटी हासिल करना चाहते हैं। भले ही इसमें भारत की गरिमा और सेना के शौर्य का अपमान क्यों न हो? इसलिए हम इस बयान को निंदनीय तो मानते हैं, पर कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा मानते हैं।

भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर कहा, प्राप्त समाचारों के अनुसार मुर्शिदाबाद हिंसा पर एसआईटी की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि हिंदुओं को लक्षित करके और सुनियोजित ढंग से हिंसा की गई। इसमें तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल थे। पुलिस का रवैया हिंसा को रोकने की जगह तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के कार्यों को अनदेखी करता दिखाई पड़ा है। इससे एक बात साफ हो गई कि हिंदू समाज को टारगेट करके, उनके विरुद्ध हिंसा करने की श्रृंखला मुर्शिदाबाद से लेकर पहलगाम तक साफ दिखाई पड़ रही है।

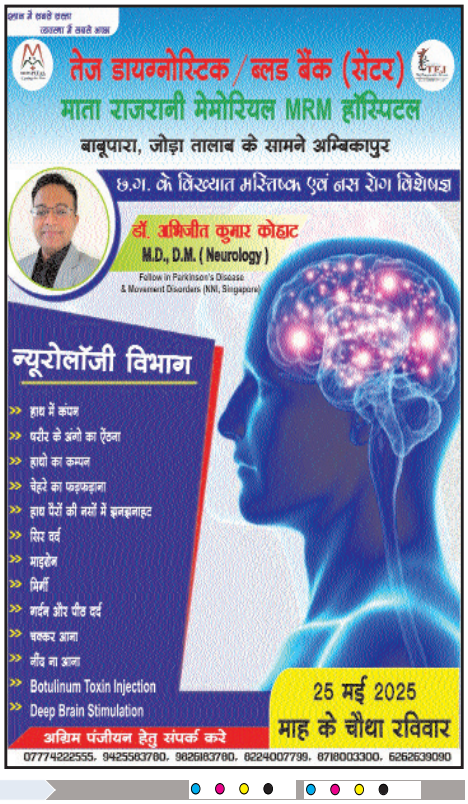

पहला कालम

एशिया कप जूडो प्रतियोगिता में कोंडागांव की रंजीता उज्बेकिस्तान में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

जगदलपुर। अंतराष्ट्रीय जूडो महासंघ (इंटरनेशनल जूडो फेडरेशन) के द्वारा उज्बेकिस्तान के तस्कीन में उज्बेकिस्तान जूडो संघ द्वारा एशिया कप जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 25 मई तक किया जा रहा है।इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की कुमारी रंजीता कुरेटी 52 किलो वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए जिला जूडो संघ बस्तर के सचिव एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल मोईन ने प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई की स्पोर्ट्स ऑफिसर, राष्ट्रीय जूडो चैंपियन, ब्लेक बेल्ट 3ह्स्र डॉन और अन्तराष्ट्रीय निर्णायक सुश्री किरण राव भी उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने उज्बेकिस्तान रवाना हो गई है। रंजीता कुरेटी और किरण राव दोनो बुधवार रात को उज्बेकिस्तान पहुंच जायेंगी। इन दोन की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, बस्तर जूडो संघ के अब्दुल मोइम, सरजीत सिंह बक्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में पटना (बिहार) में सम्पन्न खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में रंजीता ने हिमांचल, महाराष्ट्र, दिल्ली के खिलाडि?ों को हराकर कर फाइनल में मध्यप्रदेश की नैंसी को पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर छत्तीसगढ़ को पहली स्वर्णिम सफलता दिलाई थी।

एसईसीएल मुख्यालय में उच्च रक्तचाप जांच शिविर आयोजित

बिलासपुर। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में उच्च रक्तचाप (बीपी) जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जागरूकता पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में हाइपरटेंशन जैसे ₹साइलेंट किलर₹ रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय पर जांच एवं परामर्श प्रदान करना रहाशिविर के दौरान एसईसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास ने भी अपनी बीपी की जांच करवा कर कर्मियों को स्वास्थ्य जांच के प्रति प्रेरित किया।

जल संरक्षण हेतु मंत्री ने दिलाई जन जागरूकता की शपथ

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुर में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की उपस्थिति में किया गया। जिसमें मोर गांव मोर पानी एवं जल शक्ति अभियान के तहत एक सशक्त एवं जनहितकारी कार्यक्रम संपन्न हुआ। कैबिनेट मंत्री व भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा शिविर में सभी नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। उन्होंने वर्षा जल संचयन के महत्व को रेखांकित करते हुए नागरिकों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सोखता गड्ढा जैसे उपायों को

अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और यह समय की आवश्यकता भी है। जल संकट की भयावहता को रोकने के लिए जनसहभागिता से जल संचयन को एक जन आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहु ने जानकारी दी कि जिले में मोर गांव मोर पानी मिशन अंतर्गत जल शक्ति अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके पांच प्रमुख घटक जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन, वाटर शेड विकास, पारंपरिक एवं अन्य जल टैंकों का नवीनीकरण, बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं का पुनः उपयोग तथा जल स्त्रोतों की समग्र संवर्धन हैं।

शिविर में अन्य अतिथियों में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती किरण केराम, सुरजपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाती संत सिंह, उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा, लोकान्ता सिंह एवं राजकुमारी पैकरा, जनपद सदस्य ठाकुर पैकरा, बाबूलाल शाह, मोहन शर्मा, दीपेंद्र दुबे, एसडीएम शिवानी जायसवाल, जनपद सीईओ विनोद सिंह, लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा, नायब तहसीलदार लटोरी शैलेन्द्र कुमार, आरईएस एसडीओ विमल सिंह, सरपंच गोवर्धन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम न केवल जल संरक्षण के प्रति सामूहिक चेतना का परिचायक बना, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध होगा। सुशासन तिहार अंतर्गत यहां कलस्टर के लोगों से प्राप्त मांगों व शिकायतों के आवेदन का भी तत्काल निराकरण किया गया।

पिकअप वाहन से पशुओं की तस्करी के दौरान हुई दुर्घटना.. फरार तस्कर हुआ गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

पशु क्रुरता निवारण अधिनियम के मामले में मणिपुर पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।पिकअप वाहन से पशुओं की तस्करी की जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि १२ मार्च को प्रार्थी अंकित तिवारी उर्फ रिंकु तिवारी पिता श्री देवीप्रसाद तिवारी निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराया कि १२.०३.२०२५ के रात्रि करीब डेढ़ बजे फोन के माध्यम से पता चला कि सांडबार पावर हाउस के पास ट्रक और पिकअप वाहन क्रमांक जे०एच० १९ सी १८०० में भिड़ंत हुई है। पिकप वाहन में १० नग गाय भी है, वाहन चालक पिकअप को छोड़कर फरार हो गया है।

जिसकी रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना दौरान उपरोक्त पिकअप वाहन का स्वामी सरवर अंसारी पिता अनवर अंसारी उम्र ३० वर्ष निवासी करकरी थाना सिसई जिला गुमला झारखण्ड होना पाया गया। पुलिस टीम द्वारा झारखण्ड से संबंधित व्यक्ति सरवर अंसारी की पता-तलाश कर पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, जिसके द्वारा बताया गया कि वह गाय-बैल का खरीदी-बिक्री का काम करता है, जिसके द्वारा बताया गया कि १२.०३.२०२५ को दिन में वह गुमला से गाय-बैल खरीदकर अपने पिकअप वाहन में ले जा रहा था, उसी दौरान उसका पिकअप वाहन और ट्रक टकरा गया, वहां पर बहुत अधिक लोगों का भीड़ को देखकर मैं अपने पिकअप को छोड़कर भाग गया।

उपरोक्त आरोपी के द्वारा गाय-बैल खरीदी-बिक्री व तस्करी करने संबंधी किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने से वैधानिक कार्यवाही/गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

उपरोक्त प्रकरण के निराकरण में थाना प्रभारी मणीपुर उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह, प्रधान आरक्षक महेष्वरशरण सिंह, सतीश सिंह, आरक्षक उमाशंकर साहू, अरविंद सिंह व साइबर सेल से आरक्षक अनुज जायसवाल सक्रिय रहे।

वॉर 2 के टीजर को मिले जबरदस्त प्यार के लिए ऋतिक रोशन ने कहा-हमने वॉर 2 को एक शानदार एक्शन स्पेक्टेकल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है

मुंबई। बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक, ऋतिक रोशन अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'वॉर २' के टीजर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से बेहद उत्साहित हैं। टीजर रिलीज के साथ ही इंटरनेट पर तहलका मच गया और फैंस ने ऋतिक के साथ-साथ एनटीआर, कियारा आडवाणी और निर्देशक अयान मुखर्जी की जमकर तारीफ की है।

फिल्म में ऋतिक एक बार फिर सुपर-स्पाई 'कबीर' के रूप में लौट रहे हैं, इस बार और भी अधिक स्टाइल, इंटेंसिटी और जबरदस्त एक्शन के साथ।

ऋतिक ने कहा कि वॉर मेरे लिए बेहद खास फ्रेंचाइजी है। वॉर २ के टीजर को जो प्यार मिल रहा है, वह देखना बेहद सुखद है। यह एक बड़े पैमाने पर बनी फिल्म है, और हमने इसे एक शानदार एक्शन अनुभव बनाने के लिए अपनी जी-जान लगा

दी है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं बचपन से ही एक्शन फिल्मों का बहुत बड़ा फैन रहा हूँ, और वॉर २ जैसी फिल्मों में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार होता है। कबीर का किरदार मेरे करियर का एक अहम् हिस्सा बन गया है और इसे फिर से जीना मेरे लिए एक यादगार अनुभव रहा है।

'वॉर २', वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है और टीजर की धमाकेदार सफलता ने यह साबित कर दिया है कि यह फिल्म बड़े पर्दे के लिए बनी है।

ऋतिक ने कहा कि मैं अपने फैंस से मिले प्यार और प्रतिक्रिया से अभिभूत हूँ। अब मुझे इंतजार है उस पल का, जब दर्शक वॉर २ को सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखेंगे।

वॉर २, आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं और यह १४ अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

किसानों का करोड़ों बकाया...आवेदन किया गया तो अधिकारी ने कहा.. गन्ना नहीं भेजते हो तो शिकायत कैसे कर सकते हो

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

शक्कर कारखाना मे अन्नदाता किसानों का करोड़ों बकाया है उस पर आवेदन किया गया तो कारखाना के अधिकारी ने कहा जब गन्ना नहीं भेजते हो तो शिकायत कैसे कर सकते हो।

ज्ञात हो की सहकारी शककर कारखाना मर्यादित अंबिकापुर मे किसानों का करोड़ों रुपये का भुकतान बचा हुआ है अभी शादी विवाह का सीजन था खेती बाडी सहित अन्य कामो के लिए उन्हें पैसो की जरूरत थी लेकिन प्रबंधन ने किसानों का पूरा भुगतान नहीं किया इसी मांग को लेकर प्रतापपुर के खोरमा में आयोजित सुशासन त्यौहार शिविर मे जिशान खान ने आवेदन प्रस्तुत किया और अपनी शिकायत दर्ज कराई कारखाना के तरफ से उपस्थित हुए अधिकारी ने शिकायत पर सही जवाब देने की बजाय आवेदक के साथ बदतमीजी पर उतर गए उन्होंने आवेदक जीशान खान से कहा कि तुम गन्ना नहीं भेजते हो इसलिए गन्ना के भुगतान से संबंधित शिकायत नहीं कर सकते हर समय तुम शिकायत करते रहते हो कारखाना में सबसे ज्यादा शिकायत तुम्हारा ही आता है इतना कहने पर आवेदक ने अधिकारी के जवाब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहां आप सक्षम अधिकारी नहीं है तो जवाब सही देना चाहिए धीरे-धीरे दोनों के बीच बात बढ़ गई मौके पर उपस्थित अनुविभागय अधिकारी राजस्व ललिता भगत तहसील दार जायसवाल वहां पहुंच गए और कारखाने से आए अधिकारी को फटकार लगाई और कहां के आवेदन को निराकिरीत नहीं माना जा रहा है आवेदन कोई भी लगा सकता है। इसी क्रम में शक्कर कारखाना में किसानों के लंबित भुगतान को लेकर जिला पंचायत सदस्य सुरेश आयाम जिशान खान के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन करने एसडीएम प्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञात हो कि यहां किसानों का करीब ४५ करोड़ का भुगतान लंबित है।ज्ञापन में बताया गया है कि यह प्रदर्शन २१ मई को टुकुडांड में सुशासन तिहार के तहत लगने वाले शिविर के दौरान किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल रहेंगे।ज्ञापन के दौरान राजू सिंह आयाम जनपद सदस्य,सुनील पैंकरा पूर्व जनपद सदस्य के साथ अन्य किसान मौजूद थे।

90 करोड़ों की लागत, 5 वर्षों से अधूरी सड़क: प्रतापपुर-राजपुर मार्ग बना लापरवाही की मिसाल

पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार और अधिकारियों की मिली भगत से हो रहा जमकर भराशाही

प्रतापपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई जा रही ९० करोड़ों रुपए की लागत से बनाए जा रहे प्रतापपुर-राजपुर मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य बीते लगभग पांच वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। यह मार्ग क्षेत्र की प्रमुख लाइफलाइन माना जाता है, लेकिन आज भी इसकी हालत बदहाल है। अधूरी सड़क, अधूरे पुल और घटिया निर्माण कार्य जनता के लिए परेशानी और खतरे का सबब बन गए हैं। कुछ दिन पहले ही इस अधूरी सड़क के किनारे रात के अंधेरे में घटिया नाली निर्माण किया गया, जिसे स्थानीय नागरिकों और मीडिया ने प्रमुखता से उजागर किया। कई प्रमुख अखबारों में यह खबर प्रकाशित होने के बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक कोई संज्ञान नहीं लिया है।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारी और ठेकेदार के मिली भगत से जमकर हो रही कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार की भेंट चल रही सड़क निर्माण एवं पुल

निर्माण, सबसे बड़ी बात यह है कि सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड में बन रही है सड़क निर्माण। का आधा कार्य बलरामपुर डिविजनल के अंतर्गत है तथा आधार कार्य सूरजपुर डिविजनल के अंतर्गत है इस कारण से जमकर कमीशन खोरी के वजह से ठेकेदार और अधिकारियों की मिली भगत से ९० करोड़ की लागत से बन रही सड़क निर्माण और पुल निर्माण गुणवत्ता विहीन होने के कारण कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ना कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर निरीक्षण करता है ना कोई इंजीनियर विभागीय तौर पर देखा जाए तो अधिकारी कुंभकरणीय नींद में सो रहे हैं। जिनका कमिशन करोड़ों में फिक्स है।

पुलिया निर्माण में घोर लापरवाही

सड़क के बीच-बीच में जहां पुलिया निर्माण अधूरा पड़ा है, वहां भी भारी भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही देखने को मिल रही है। निमार्णाधीन पुलियों के पास न तो कोई सूचनात्मक बोर्ड लगाया गया है, न ही सुरक्षा के लिए कोई बैरिकेडिंग या संकेतक। इस कारण आए दिन राहगीरों को

दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर रात के समय।

जनता में आक्रोश, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों में विभाग और ठेकेदार की कार्यशैली को लेकर गहरा आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह सड़क वर्षों से केवल नाम मात्र के निर्माण तक सीमित है। भ्रष्टाचार और लापरवाही से जनता की जान को खतरा हो रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से ठेकेदार पर ठोस कार्रवाई करने की मांग की है और कहा है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराकर पुनः कार्य कराया जाए।

सड़क के गुणवत्ता पर जांच कार्यवाही होगी -एसडीएम

इस विषय में एसडीएम ललित भगत ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से इस विषय में जांच कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करती हूं। अच्छा सड़क बन सके इसके लिए कलेक्टर सूरजपुर से चर्चा कर सड़क के गुणवत्ता पर जांच कार्यवाही की जाएगी।

भगवान हनुमान कैसे करेंगे नील की रक्षा और प्राप्त करेंगे अपनी अगली सिद्धि?

सोनी सब के वीर हनुमान में होने वाली है अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा

मुंबई। सोनी सब का वीर हनुमान दर्शकों को लगातार मंत्रमुग्ध कर रहा है, जिसमें युवा मारुति के अद्भुत परिवर्तन- एक जिज्ञासु बालक से महान दिव्य योद्धा भगवान हनुमान बनने की कहानी को भावनात्मक और रोमांचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। पौराणिकता और भावना का बेहतरीन संगम पेश करता यह शो, एक कालजयी कथा को जीवंत रंगों में दशार्ता है। शो में आन तिवारी युवा मारुति की भूमिका में, आरव चौधरी केसरी के रूप में, सायली सालुंखे अंजनी की भूमिका में और माहिर पांधी बाली और सुग्रीव दोनों की भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। च्वीर हनुमानज हर आयु वर्ग के दर्शकों को विशेष

रूप से आकर्षित कर रहा है। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि हनुमान पाँच आध्यात्मिक और रूपांतरणकारी चरणों से गुजरते हुए एक गहरी साधना यात्रा पर निकल पड़े हैं। इसी दौरान शनि देव (ऋषभ पवार) की छाया किष्किंधा पर मंडराने लगती है, जिससे अप्रत्याशित चुनौतियों का संकेत मिलता है।

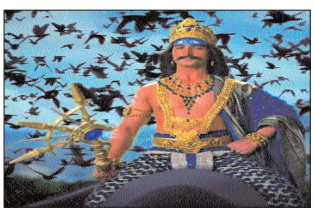

आगामी एपिसोड्स में देखने को मिलेगा कि किस तरह किष्किंधा की प्रजा बाली का भगवान हनुमान को बचाने के लिए सम्मान करती है और एक नायक के रूप में उनकी सराहना करती है। हनुमान से कहा जाता है कि वे बाली को अपना गुरु मानें, क्योंकि शनि देव की छाया किष्किंधा पर पड़ रही है और वे हनुमान को भ्रमित करना चाहते हैं। बाद में, सुग्रीव को नया राजा घोषित किया जाता है, जिससे बाली क्रोधित हो जाता है। किष्किंधा के द्वार बंद कर दिए जाते हैं और इन सब घटनाओं के चलते भगवान हनुमान अपने आराध्य का नाम तक भूलने लगते हैं। इस अफरा-तफरी में अग्निदेव का पुत्र नील भी संकट में फंस जाता है, जिसे बचाने के लिए भगवान हनुमान एक नए लक्ष्य को हासिल करने की तरफ निकल पड़ते हैं। क्या भगवान हनुमान नील की रक्षा कर पाएँगे और प्राप्त कर पाएँगे अपनी अगली सिद्धि?

च्वीर हनुमानज में शनि देव की भूमिका निभा रहे ऋषभ पवार ने कहा कि शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है और उनका कार्य लोगों की परीक्षा लेकर उन्हें सही मार्ग दिखाना होता है। इस ट्रैक में स्वयं बाल हनुमान को भी भगवान महादेव के आदेशानुसार कड़े अनुशासन, कठिनाइयों और न्याय के मार्ग से गुजरना पड़ता है, ताकि वे अपनी सिद्धियों को प्राप्त कर सकें। यह एक संदेश है कि जीवन में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। यही भगवान हनुमान की यात्रा का सार है, और यही सबक वे दूसरों को भी सिखाते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

कोंड़ागांव। जिले की कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लंबित मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं, रजिस्ट्री की नई 10 व्यवस्थाओं को लेकर तहसील कार्यालयों में जानकारी प्रदर्शित करने के आदेश दिए, ताकि आमजन जागरूक हो सकें। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं एसडीएम को स्कूलों व शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से पूरा करने को कहा। साथ ही जेल परिसरों और अस्पतालों में तीन नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की जानकारी देते हुए जिला परिवहन अधिकारी को शीघ्र क्रियान्वयन के निर्देश दिए। योजना के अंतर्गत सुदूर व संवेदनशील क्षेत्रों से ब्लॉक व जिला मुख्यालयों तक नियमित परिवहन सुविधा मिलेगी, जिससे आमजन, विद्यार्थियों, मरीजों और अन्य नागरिकों को राहत मिलेगी। कलेक्टर ने माओवाद प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पित व्यक्तियों को शासकीय योजनाओं का सौ प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को निर्देशित किया।

बैठक के बाद कलेक्टर ने जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने आवास, स्वरोजगार व ऋण जैसी समस्याओं को रखा, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान डीएफओ श्रीमती दिव्या गौतम, चूड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

छोटी खबरें

बिसाहूदास महंत जिला अस्पताल में दवाओं की भारी किल्लत, स्वास्थ्य मंत्री से तत्काल ध्यान देने की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र, स्व. बिसाहूदास महंत जिला अस्पताल में आवश्यक जीवनरक्षक और सामान्य दवाओं की भारी किल्लत की स्थिति बनी हुई है। मरीजों को इलाज के लिए बाहर से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे गरीब और ग्रामीण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कोरबा प्रवास के दौरान यह अपेक्षा जताई जा रही थी कि वे जिला अस्पताल की इस गंभीर समस्या पर ध्यान देंगे, लेकिन उनके कार्यक्रम में यह मुद्दा गौण रह गया। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सुधार के लिए मंत्री जी द्वारा कटघोरा सीएचसी के निरीक्षण और उन्नयन की घोषणा स्वागतयोग्य है, किंतु जिला अस्पताल की दवा संकट जैसी ज्वलंत समस्या पर शीघ्र कार्रवाई की आवश्यकता है। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मंत्री श्री जायसवाल से अपील की है कि वे जिला अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करें और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करें कि अस्पताल में मरीजों को सभी आवश्यक दवाएं मुफ्त और समय पर उपलब्ध हों। स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि वह इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेकर जल्द समाधान निकाले, जिससे कोरबा जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और उन्हें उपचार के लिए निजी दवाखानों और मेडिकल स्टोर्स पर निर्भर न रहना पड़े।

पोड़ी उपरोड़ा जनपद के गुरसिया में सुशासन तिहार पर जन निवारण शिविर, ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के पोड़ी उपरोड़ा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरसिया में २१ मई बुधवार को सुशासन तिहार के अवसर पर जन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में गुरसिया के साथ-साथ ऐतमानगर, लालपुर, लेपरा, पाथा, मानिकपुर, सालिहाभाठा, सरभोका और रिंगानिया सहित ८ पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शिविर में विभिन्न प्रशासनिक विभागों की पूर्ण उपस्थिति रही। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने एवं समाधान के लिए मौके पर ही कई अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधियों की रही सहभागिता

शिविर में जनपद अध्यक्ष माधुरी देवी, उपाध्यक्ष प्रकाशचंद जाखड़, जनपद सदस्य अंजू भोला गोस्वामी, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रताप सिंह मरावी, सरपंच कुमारी चंद्रकला पोर्ते, हेमलता बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सरपंचगण उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से जनपद सीईओ जयप्रकाश डडसेना, एसडीएम तुला राम भारद्वाज, तहसीलदार विनय कुमार देवांगन, तथा नायब तहसीलदार सुमन दास मानिकपुरी ने शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राशन कार्ड और प्रमाण पत्रों का वितरण

शिविर में ग्रामीण नागरिकों को राशन कार्ड वितरित किए गए। साथ ही छात्र-छात्राओं एवं बच्चों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई और आई हुई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया।

चावल उत्सव के रूप में मिलेगा तीन माह का राशन

हितग्राही अपनी सुविधा अनुसार ले सकेंगे चावल

कोरबा अम्बिकावाणी - प्रदेश के राशन कार्डधारियों को छत्तीसगढ़ शासन ने बड़ी राहत दी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत जून, जुलाई और अगस्त माह का चावल एक साथ वितरित करने का निर्णय लिया गया है। यह वितरण कार्य च्चावल उत्सवज् के रूप में जून माह में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि हितग्राही अपनी सुविधा अनुसार एक, दो या तीन माह का चावल एकमुश्त या अलग-अलग समय पर प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निदेशानुसार की जा रही है।

३१ मई तक होगा भंडारण - विभागीय निर्देश के तहत सभी उचित मूल्य दुकानों में ३१ मई तक तीन माह के चावल का भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं चना, शक्कर, नमक और गुड़ जैसी अन्य राशन सामग्री का वितरण नागरिक आपूर्ति निगम में उपलब्ध स्टॉक के अनुसार हर माह अलग-अलग किया जाएगा।

हर दुकान पर नोडल अधिकारी होंगे तैनात

च्चावल उत्सवज् के सफल आयोजन हेतु प्रत्येक उचित मूल्य दुकान में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। यह अधिकारी भंडारण और वितरण की निगरानी करेंगे तथा वितरण प्रक्रिया की सत्यापन कार्रवाई भी उन्हीं की देखरेख में संपन्न होगी।

ई-पॉस मशीन से पारदर्शी वितरण

राशन वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए ई-पॉस मशीन का उपयोग अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक हितग्राही को बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही राशन सामग्री प्रदान की जाएगी। हर लेन-देन की रसीद ई-पॉस मशीन से जनरेट कर हितग्राही को सौंपी जाएगी।

प्रचार-प्रसार भी जोरशोर से

च्चावल उत्सवज् के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी उचित मूल्य दुकानों में पोस्टर और बैनर लगाए जाएंगे। साथ ही वितरण कार्य स्थानीय निगरानी समिति की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न होगा।

कोरबा में तेज आवाज वाले साइलेंसर पर पुलिस का शिकंजा, 17 वाहनों पर कार्रवाई

कोरबा अम्बिकावाणी - शहर में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले मॉडिफाई साइलेंसर वाले दोपहिया वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन पर, नगर पुलिस अधीक्षक (साइबर एवं यातायात) रविन्द्र कुमार मीना एवं डीएसपी ट्रैफिक डी. के. सिंह के नेतृत्व में यह विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अब तक कुल १७ मामलों में कार्रवाई करते हुए ३९ हजार १०० रूपए का समन शुल्क वसूला गया, साथ ही वाहनों में लगाए गए संशोधित साइलेंसर भी जब्त किए गए। यह कार्रवाई मोटरयान अधिनियम के तहत की गई है।

ध्वनि प्रदूषण को लेकर चिंता

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मॉडिफाई साइलेंसर न केवल अवैध हैं, बल्कि इससे उत्पन्न तेज आवाज आम नागरिकों के स्वास्थ्य और मानसिक शांति को भी प्रभावित करती है। यही वजह है कि पुलिस ऐसे वाहनों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई कर रही है।

कोरबा पुलिस की अपील

कोरबा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे वाहनों में अवैध रूप से कोई भी परिवर्तन न करें और यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित वाहनधारकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिले में अवैध उत्खनन रोकने के लिए सख्त कार्यवाही करें, टास्क फोर्स समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

चिन्हित करें अपराधी, करें कठोर कार्यवाही

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में अवैध उत्खनन कार्य को रोकने के लिए कलेक्टर अजीत कुमार वसंत ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टास्क फोर्स समिति की बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि राजस्व और पुलिस विभाग समन्वित रूप से कार्रवाई करें और खनन क्षेत्रों में सक्रिय अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग, राजस्व विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग और पर्यावरण विभाग मिलकर जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण की जांच करें और कार्रवाई करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्यावरण प्रदूषण रोकने एवं आम नागरिकों की सुविधा की दृष्टि से राखड़ परिवहन करने वाले वाहनों में राखड़ को त्रिपाल, तारपोलिन, पन्नी से ढक कर ही नियमानुसार परिवहन किया किया जाए।खनिज विभाग से प्राप्त आवेदनों की स्थल जांच रिपोर्ट समय-सीमा में राजस्व और वन विभाग द्वारा भेजी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एसईसीएल की खदानों से कोयला निकासी वाहन क्षमता के अनुसार हो, साथ ही डम्प क्षेत्रों में कोयला चोरी पर केन्द्रीय सुरक्षा बल और एसईसीएल प्रबंधन मिलकर प्रभावी नियंत्रण रखें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण एजेंसियों को रॉयल्टी क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के बिना भुगतान न किया जाए।

निमार्णाधीन कार्यों में प्रयोग होने वाली खनिज की संभावित मात्रा की जानकारी संबंधित विभागों से प्राप्त की जाए। कोयला परिवहन हेतु प्रतिबंधित सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण निगरानी रखी जाए। खनिज परिवहन में लगे वाहनों के ड्राइवरों की आयु और वैध लाइसेंस की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में कानून व्यवस्था और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को कड़ी और संयुक्त कार्रवाई करनी होगी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, मनोज कुमार बंजारे, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पुलिस द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों को जारी किए गए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, पेट्रोल पंप परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु कोरबा पुलिस ने की पहल

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में सजग कोरबा अभियान के अंतर्गत जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य पेट्रोल पंप परिसरों को सुरक्षित बनाना एवं किसी भी आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जाना है। जारी निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक पेट्रोल पंप परिसर में सीसीटीवी कैमरे इस प्रकार लगाए जाएं कि मुख्य प्रवेश मार्गों और रोड साइड एरिया की स्पष्ट निगरानी हो सके तथा सभी कैमरे चालू अवस्था में हों। इन कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित स्थान पर रखी जाए। पंप परिसर में रात्रिकालीन समय में भी पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल नजर रखी जा सके। सुरक्षा गार्ड की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए और उनका चरित्र सत्यापन भी समय-समय पर कराया जाए। सभी पेट्रोल पंपों में निकटतम थाना, पुलिस कंट्रोल रूम और आपातकालीन नंबरों की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। यदि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की उपस्थिति महसूस हो, तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित थाना को दी जाए। नकदी के संग्रहण और संवहन के दौरान विशेष सावधानी बरती जाए, कोरबा पुलिस सजग कोरबा अभियान के माध्यम से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सतत रूप से प्रयासरत है।

खेत में हैंडपंप के पानी का उपयोग करने से मना करने पर मारपीट

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सरकारी हैंडपंप में मोटर पंप लगाकर पानी का उपयोग खेती करने में किए जाने से मना करने पर पेयजल की विकराल समस्या से जूझ रहे ग्रामीण के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। घायल ग्रामीण को इलाज के लिए केल्हारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में केल्हारी पुलिस द्वारा केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

मारपीट से गंभीर रूप से आहत ग्राम घाघरा नवाटोला निवासी ग्रामीण सुन सिंह ने पुलिस में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह खेती-किसानी का काम करता है। 19 मई की शाम मोहल्ले में लगे शासकीय हैंडपंप में आरोपी लखन सिंह के द्वारा निजी मोटर पंप लगाकर पानी का उपयोग खेती करने में किया जा रहा था। इसी बात को लेकर उसने आरोपी से कहा कि लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और वह खेती में पानी पटा कर फसल उगा रहा है। इतने में आरोपी भड़क गया और उसके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए डंडे से बेरहमीपूर्वक उसके साथ मारपीट की जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने बताया कि 108 एंबुलेंस से केल्हारी अस्पताल लाकर उसे भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

कोल इंडिया के 223 कर्मचारी बने अधिकारी

बिश्रामपुर कोल इंडिया के २२३ कर्मचारी विभागीय परीक्षा पास कर अधिकारी बने हैं, जिनकी सूची कोल इंडिया ने आज जारी कर दी है।कोल इंडिया के महाप्रबंधक मानव संसाधन/विभागाध्यक्ष भर्ती सुरापुरेडी वी रवींद्रनाथ के हस्ताक्षर से बुधवार २१ मई को जारी आदेश में कोल इंडिया के विभिन्न कंपनियों में पदस्थ २२३ कर्मचारियों के पदोन्नति का उल्लेख है जिन्हें सीनियर ऑफिसर माइनिंग ई २ के पद पर अलग अलग कंपनियों में पदस्थापना दी गई है,इसमें एसईसीएल के ४७ कर्मी शामिल हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र० 202505021700031/ ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विवेक अग्रवाल आ० रामचन्द्र अग्रवाल, निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर, डायरेक्टर एवं भादीदार साईं बिल्डर्स, रिंग रोड नमनाकला अम्बिकापुर, मुख्तार आम हेतु कमलेश्वर प्रताप सिंह, महेश्वर प्रताप सिंह आ० स्व० कृष्णा प्रताप सिंह, निवासी विजय मार्ग, संगम चौक अम्बिकापुर के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की ग्राम भगवानपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 179/1 में से 1232 वर्गफीट भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदिका श्रुति उपाध्याय पति आदर्श कुमार उपाध्याय, निवासी 221 हरपुर, एस०बी०आई० के सामने वाली गली बलिया, सिटी बलिया (उ०प्र०) को रू० 30,00,000/- (तीस लाख रुपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/06/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

"ईश्तहार"

रा०प्र०क्र० ..../अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्य प्रकाश सिंह पिता चिन्तामणी सिंह, जाति कंवर, निवासी ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम टपरकेला, तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा स्थित भूमि खसरा क्रमांक क्रमशः 343/1, 344, 345, 346/2 रकबा क्रमशः 0.259, 0.299, 0.210, 0.292 हे० भूमि को कृषि से भिन्न प्रयोजन **(वाणिज्यिक प्रयोजन)** में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर कार्यक्रम तमता में शामिल हुई विधायक गोमती साय

पत्थलगांव - पत्थलगांव विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत तमता में बुधवार को सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक गोमती साय और जि पं अध्यक्ष सालिक साय के साथ ही अंत्यावसायी निगम के अध्यक्ष सुरेंद्र बेसरा भी शामिल हुए। समस्त जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से रूबरू होकर समस्याओं की जानकारी ली और अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। विधायक गोमती साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की महत्त्वाकांक्षी पहल ₹सुशासन तिहार₹ अब राज्य के कोने-कोने तक अपनी छाप छोड़ रही है। इसके पहले चरण में लोगों से उनकी समस्?याओं और मांगों को लेकर आवेदन जमा कराए गए थे। दूसरे चरण में विभागों के द्वारा इन आवेदनों का निराकरण किया गया। इसके तीसरे चरण में प्रदेश के सभी भागों में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, जिसमें जनप्रतिनिधिगण आम लोगों के रूबरू होकर उनकी समस्?याओं के लिए विभागों द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस संबंध में कोई असंतोष होने पर अधिकारियों को जनसमस्?याओं के निराकरण के लिए प्रेरित किर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत शासन जनता के द्वार तक पहुँच रहा है और समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत तमता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक श्रीमती गोमती साय ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस दौरान उन्?होंने अधिकारियों से प्राप्त और निराकृत जैसे बिजली, पानी, सड़क, मूलभूत आवेदनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कई आवेदनों को प्राथमिकता देते हुए अनेक मुद्दों कि जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसंवाद, त्वरित समाधान और सेवाओं की सीधी पहुँच ने आम जनता के बीच विश्वास को और भी मजबूत किया है। यह शिविर न केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम बना, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि छत्तीसगढ़ सरकार हर वक्त, हर स्थान पर आमजन के साथ खड़ी है। तमता में आयोजित शिविर में १२ ग्राम पंचायत के नागरिक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद होने के साथ साथ सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे. सर्व प्रथम तो सभी अधिकारियों ने अपने अपने विभाग में आए आवेदनों के बारे में बताया और अपने विभाग के योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आप सभी को शासन की इस योजनाओं का लाभ लेना चाहिए. उसके बाद नेहरू भगत पिता बेला भगत ग्राम बनगांव बी जो लंबे समय से विकलांग हैं और उसको शासन की ओर से शिविर के दौरान ट्राइसाइकिल दिया गया उसी क्रम में बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को गोद भराई का रस्म किया गया और दो बच्चों को अन्न प्रासन कराया गया, एवं शिविर के दौरान आए आवेदन जैसे, आवास योजना, बकरी शेड, नल जल, पशु पालन, राशन कार्ड, जैसे महत्वपूर्ण आवेदनों का निराकरण किया गया आज के कार्यक्रम मे मुख्य रूप छ. ग.अन्त्यावसायी निगम के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बेसरा, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, वरिष्ठ नेता मनीष अग्रवाल, पत्थलगांव भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकित बंसल, लुड़ेग तमता मंडल अध्यक्ष विशाल अग्रवाल, सरपंच सीता बाज, मंच संचालन लक्ष्मी नारायण यादव, एवं जनपद सदस्य व सैकड़ों के संख्या में विभागों के अधिकारी व कर्मचारीगण, भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकताओं सहित बड़ी संख्या में स्?थानीय नागरिक उपस्थित थे.

संपादकीय

कोई और पद स्वीकार नहीं

नि

वर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है। हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरूआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी। नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्त्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चचाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए। मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है। आशा है, उनके उत्तराधिकारी ऐसी ही विरासतों का अनुकरण करेंगे और न्यायपालिका की गरिमा को बहाल करने में सहायक बनेंगे।

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है।

जीईएम-सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास

पीयूष गोयल

सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है। इस महानिदेशालय की अपारदर्शी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रणालियां कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को अनुचित लाभ प्रदान करती थीं। इसलिए यह उचित ही है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का नया कार्यालय, वाणिज्य भवन, उस भूमि पर बनाया गया है जिस पर कभी यह पुराना निकाय स्थित था।

शानदार प्रगति झ वर्ष 2016 में स्थापना के बाद से, जीईएम पोर्टल पर 13.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर का लेन-देन किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक खरीद बढ़कर रिकॉर्ड 5.43 लाख करोड़ रुपये की हो गई। जीईएम का लक्ष्य वर्तमान वित्त वर्ष में अपने वार्षिक कारोबार को बढ़ाकर 7 लाख करोड़ रुपये करना है। जीईएम निस्संदेह सार्वजनिक खरीद से जुड़े परिदृश्य में एक असाधारण तकनीकी उपाय के रूप में उभरा है। कारोबार के आकार की दृष्टि से, जीईएम निकट भविष्य में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद पोर्टल बन जाएगा और दक्षिण कोरिया के कोनेप्स जैसी सुप्रतिष्ठित संस्थाओं को पीछे छोड़ देगा। जीईएम ने ईमानदारी से व्यावसाय करने प्रतिष्ठानों को व्यापक अवसर प्रदान किए हैं, नौकरियां सृजित की हैं और भारत के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व प्रगति से कहीं बढ़कर है जो अपने आप में ई-कॉमर्स से जुड़ी किसी भी बड़ी कंपनी को हैरान कर देने के लिए काफी है।

न्यायसंगत विकास का वाहक - जीईएम प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकासइ मिशन के अनुरूप न्यायसंगत विकास के एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। यह स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बिना किसी बिचौलियों के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक आसान रास्ता प्रदान करता है। प्रवेश की सभी बाधाओं को दूर करके, यह प्लेटफॉर्म छोटे घरेलू व्यवसायों को ई-टेंडर में भाग लेने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अधिकार देता है। समावेशिता के सिद्धांत से प्रेरित, जीईएम ने छोटे व्यवसायों के विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों का समावेश किया है। इनमें सरकारी खरीदारों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने तथा उनका चयन करने में मदद करने वाली प्रणालियां शामिल हैं।

लक्ष्य से आगे - जीईएम पर स्टार्टअप रनवे और वुमनिया जैसे समर्पित स्टोरफ्रंट ने इन व्यवसायों की दृश्यता के साथ-साथ सार्वजनिक खरीद में उनकी हिस्सेदारी को भी प्रभावी ढंग से बढ़ाया है। इससे सरकार को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) से 25 प्रतिशत खरीद और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों से 3 प्रतिशत खरीद के अपने लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में मदद मिली है। जीईएम पर किए गए कुल कारोबार का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को दिया गया है और महिला उद्यमों द्वारा खरीद की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है।

अप्रैल 2025 तक 30,000 से अधिक स्टार्टअप ने जीईएम के जरिए 38,500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। इसके अलावा, 1.81 लाख उद्यम-सत्यापित महिला उद्यमियों ने जीईएम पोर्टल पर लगभग 50,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए हैं। बड़ी बचत - इन बदलावों से कुछ खास आकार के ऑर्डरों के लिए 33 प्रतिशत से लेकर 96 प्रतिशत तक की बचत हुई है। यह उल्लेखनीय कमी देश के आम नागरिकों के हित में व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिज?स) और जीवन-यापन में आसानी (ईज ऑफ लिविंग) को बढ़ाने के मोदी सरकार के मिशन के अनुरूप एक स्वागत योग्य बदलाव है। विश्व बैंक द्वारा किए गए एक स्वतंत्र मूल्यांकन से यह पता चला है कि जीईएम पर खरीदार औसत कीमत पर लगभग 9.75 प्रतिशत की बचत करते हैं। इससे करदाताओं के पैसे का उपयोग करके की जाने वाली सार्वजनिक खरीद में अनुमानित रूप से 1,15,000 करोड़ रुपये की भारी बचत हुई है। जीईएम पर खरीद ने सरकारी कंपनी एनटीपीसी को 20,000 करोड़ रुपये के अनुबंध में रिवर्स नीलामी का उपयोग करके 2,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की। जीईएम ने रक्षा उपकरणों, टीकों, ड्रोन और बीमा जैसी सेवाओं की पारदर्शी एवं किफायती खरीद में भी मदद की है। छोटे उद्यमों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए, जीईएम ने हाल ही में अपने लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी की है। 10 लाख रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 0.30 प्रतिशत का कम लेनदेन शुल्क लगेगा, जबकि 10 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 3 लाख रुपये का सीमित शुल्क लगेगा - जोकि पहले के 72.50 लाख रुपये के शुल्क से काफी कम है।

प्रौद्योगिकी, एआई - एक ठोस तकनीकी बुनियादी ढांचे से लैस, यह प्लेटफॉर्म विभिन्न तकनीकी उपायों का उपयोग करके व्यापार करने के नए एवं आसान तरीके पेश करते हुए लगातार विकसित होता जा रहा है। जीईएम ने जीईएम एआई नामक एक एआई-संचालित चैटबॉट का समावेश किया है - यह संवादात्मक विश्लेषण और व्यावसायिक बुद्धिमत्ता में प्रशिक्षित एक उपकरण है। यह स्मार्ट चैटबॉट आठ स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है और जीईएम पोर्टल पर व्यापार करने में आसानी को और बढ़ाने के लिए वॉयस कमांड कार्यक्षमता सहित नवीनतम तकनीकों से लैस है।

जीईएम सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) विक्रेताओं के लिए वित्तपोषण संबंधी उत्पाद भी प्रदान करता है। यह पात्र खरीद आर्डरों के लिए 10 मिनट से भी कम समय में गिरवी-मुक्त वित्तपोषण प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म ने जीईएम सहाय 2.0 पेश किया है, जो 10 लाख रुपये तक के ऋण को हासिल करने के लिए एकल खिड़की के रूप में कार्य करता है।

अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति

भारत डोगरा

वर्ष 2025 के आरंभ में अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति को देखते हुए यहां शांति प्रयासों को और सशक्त करने की चर्चा थी। अब लगभग चार महीनों के बाद हम जो स्थिति देख रहे हैं, वह चिंताओं को कम नहीं करती है अपितु और बढ़ाती ही है क्योंकि इस दौरान सबसे संवेदनशील क्षेत्रों-सोमालिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो तथा सूडान एवं दक्षिण सूडान के हालात तेजी से और बिगड़े हैं।

सूडान में दो वर्ष से यानी अप्रैल, 2023 से गृह युद्ध चल रहा है। इससे पहले यहां अन्य गृह युद्ध भी हो चुके हैं और सूडान से अलग होकर एक नया देश वर्ष 2011 में ही बन चुका है। अतः इस क्षेत्र में वैसे ही अमन-शांति बनाए रखने की बहुत जरूरत है पर वास्तविकता इससे विपरीत रूप में सामने आ रही है। सूडान में दो वर्षों से चल रहे गृह युद्ध में 150,000 लोग मारे गए हैं और 1 करोड़ 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। तिस पर यदि आप यह याद रखें कि इनमें से बहुत से लोग पहले से अभावग्रस्त रहे हैं तो आप समझ सकते हैं कि यहां की मानवीय त्रासदी कितनी गहरी हो चुकी है। महिलाओं सहित अनेक लोगों को बहुत अत्याचार सहने पड़े हैं। चूंकि सूडान के कुछ पड़ोसी देश स्वयं अभाव और हिंसा से त्रस्त हैं अतः बड़ा सवाल यह है कि सूडान की हिंसा से बचते हुए लोग आखिर, सुरक्षा के लिए जाएं तो जाएं कहां। इस स्थिति को दक्षिण सूडान की तेजी से बिगड़ती स्थिति ने और विकट बना दिया है। वर्ष 2011 में स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आने के बाद वर्ष 2013 में दक्षिण सूडान में गृह युद्ध आरंभ हो गया था। यह पांच वर्ष तक चला। अनुमान है कि इसमें लगभग 4 लाख लोग मारे गए और लगभग 40 लाख लोग विस्थापित हुए। वर्ष 2018 में यह देश सुलह-समझौते की ओर बढ़ा। जो समझौता हुआ, उसमें हिंसा तो थम गई पर इसका आधार मजबूत नहीं था। इस वर्ष यह कमजोर आधार भी टूटने लगा है। जिन मुख्य नेताओं को विभिन्न अपने जातीय आधार पर सरकार में शीर्ष के स्थान दिए गए थे, उनमें आपसी मतभेद और टकराव आ गया है और डर है कि जातीय हिंसा फिर भड़क सकती है। उधर बड़े पड़ोसी देश सूडान में जो गृह युद्ध चल रहा है, उसका एक गुट भी दक्षिण सूडान में हिंसा भड़काने में लगा है। इस कारण यह खतरा बढ़ गया है कि इन दोनों देशों की हिंसा आपस में मिल कर एक और भी बड़ी मानवीय त्रासदी का रूप ले सकती है। इस हिंसा के तार कहीं न कहीं संसाधनों और भूमि को हड़पने के कुप्रयासों से जुड़ते हैं और इस होड़ में शक्तिशाली विदेशी तत्व भी जुड़े हुए हैं।

इस कारण यह संभावना बढ़ जाती है कि विभिन्न विरोधी गुटों को अलग-अलग विदेशी स्रेतों से धन मिलता रहेगा जिससे वे अधिक विध्वंसक हथियार खरीद सकेंगे और इस तरह विनाश बढ़ता रहेगा। इसी तरह यदि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश को देखें तो वहां सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों की बहुत उपलब्धि है और इसे हड़पने के प्रयासों में लगी ताकतें हिंसक हमले करते रहती हैं। यह प्रवृत्ति तब और तेज हो जाती है जब यहां की केंद्रीय सरकार कमजोर पड़ती है। ये हमलावर तव विदेशों से तो सहायता प्राप्त करते ही हैं साथ में कई बार तो विदेशी सेना स्वयं बहुत प्रत्यक्ष रूप में हमले में नजर आती है। हाल के महीनों में खनिजों की दृष्टि से संपन्न पूर्वी क्षेत्रों में विदेश से जुड़े सैनिक तेजी से आगे बढ़े हैं। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि हाल के दशकों में अफ्रीका का सबसे बड़ा युद्ध डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो को केंद्र में रख कर ही हुआ था जिसमें आसपास के अनेक अन्य देश भी शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि यहां की स्थिति अधिक विकट न बने।

इसके अतिरिक्त इथिओपिया, लीबिया, मोजाम्बिक, सोमालिया और सेहल क्षेत्र के देशों में हाल में स्थितियां चिंताजनक रही हैं। मानवीय संकट बढ़ती भूख, विस्थापन और शरणार्थियों की समस्या के रूप में विकट हो रहा है। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल मौसम की मार अनेक देशों को सहनी पड़ रही है। बढ़ते अभाव और भुखमरी के बीच बाहर से पहुंचने वाली सहायता सामग्री और खाद्य भी जरूरत से बहुत कम पड़ रहे हैं। इस स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफ्रीका के लोगों के दुख-दर्द को कम करने में वहां अमन-शांति कायम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हाल के अनुभवों से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि अलगाववाद के रूप में समस्याओं के समाधान को खोजना निर्थक ही नहीं खतरनाक भी सिद्ध हो रहा है। सूडान में बढ़ती समस्याओं के बीच कुछ लोगों ने यह समाधान खोजा कि अपना अलग देश दक्षिण सूडान बना लें।

अलग होकर यह नया देश बन भी गया और इसे मान्यता भी मिल गई। पर इसके बावजूद कुछ ही समय बाद दक्षिण सूडान का अपना गृह युद्ध भी आरंभ हो गया।

अब स्थिति यह है कि सूडान में बेहद हिंसक युद्ध चल रहा है और दक्षिण सूडान के हालात यदि समय रहते नहीं संभाले गए तो यह देश नये गृह युद्ध की ओर जा सकता है।

क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या, मानव जीवन का अस्तित्व को खतरा

हाल में नई दिल्ली में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने किया। गौरतलब है कि एनजीटी की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत की गई है। यह विशेष न्यायिक निकाय है जिसका मुख्यालय दिल्ली में है। एनजीटी के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। अन्य न्यायिक सदस्य उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। एनजीटी का कार्य पर्यावरण से जुड़े विवादों को प्रभावी तरीके से शीघ्र निपटाना है। इसलिए इस सम्मेलन की महत्ता स्वयंसिद्ध है। सम्मेलन में चार प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण, जैव-विविधता संरक्षण तथा सतत विकास सहित पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में भावी पीढ़ियों को स्वाच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने का नैतिक दायित्व माना गया। चूंकि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन संभव है, इसलिए नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया गया। क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या किसी एक राष्ट्र तक सीमित नहीं है, इसलिए सम्मेलन में वैश्विक पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा पार सहयोग और नवाचारी नीतियों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया ताकि एक साथ पारिस्थितिक संसाधनों के संरक्षण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

जहां तक भारत का संबंध है तो केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार भारत कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मंत्रालय का मानना है कि विकासशील देशों के लिए त्वरित पर्यावरणीय आर्थिक विकास ही जलवायु परिवर्तन से ठोस बचाव है। भारत न केवल कार्बन फुटप्रिंट कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि हरित ऊर्जा क्षेत्र के माध्यम से लाखों नौकरियों का सृजन भी कर रहा है। सम्मेलन को हम क्लाइमेट चेंज की समस्या से निपटने में सहयोग को बढ़ावा देने, जागरूकता लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम कह सकते हैं। हम देख रहे हैं कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे न केवल ग्लेशियर पिघल रहे हैं, बल्कि जंगल की आग भी बड़े पैमाने पर तबाही मचा रही है। ग्लेशियरों के पिघलने से न केवल पर्यावरण, बल्कि मानव जीवन और अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समुद्र स्तर में वृद्धि होने से तटीय क्षेत्रों और द्वीपीय देशों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। 0 गिरीश पांडे

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1334

संकेत: बाएं से दाएं

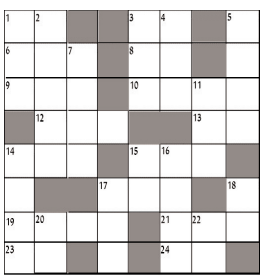

1. मजदूर दिवस इस महीने की पहली तारीख को मनाया जाता है (2)
3. पुराणानुसार एक प्रकार का सत्त जिसे पृथ्वी रूपी गौ से गंधर्वों ने दुहा था (2)
6. नहाने की क्रिया, स्नान (3)
8. भय, खौफ, भीत (2)
9. पिता, पैदा करने वाला (3)
10. श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष (4)
12. गुलामी, दास का कार्य (3)
13. वाक्य, का अपभ्रंश, शब्द, वाणी (2)
14. एक देवर्षि जो ब्रह्मा के मानस पुत्र कहलाए (3)
15. सामने, उपस्थित, गोचर (3)
17. तल रहित, बिना पेंदे का (3)
19. शास्त्रीय संगीत में ताल का एक प्रकार (4)
21. साधारण, सामान्य (3)
23. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया पदार्थ, टेलीग्राम (2)
24. सिलवट, सिकुडन, ऐंठ (2)

ऊपर से नीचे

1. केवल, निरा, मात्रा, सिर्फ (3)
2. विश्वनीय, सच्चा (5)
3. नेपाल और बिहार में बहने वाली नदी जिसे नेपाल में नारायणी और सत्पगंडकी कहा जाता है (3)
4. पकड़ना, थामना (3)
5. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
7. अभिप्राय, मतलब (4)
11. झरोखा, खिड़की (3)
14. कोमलता, नरमी (4)
15. पदार्थ का मूल तत्व, सच्चाई, यथार्थता (2)
16. अधिक मास, पुरूषोत्तम मास (4)
17. पब्लिक, जनता (3)
18. बोझा ढोकर अपनी आजीविका चलाने वाला (2)
20. भिन्न का नीचे का अंक, प्रत्येक (2)
22. बुनियाद, नींव, जड़ (2)

वर्ग पहेली 1333 का हल

श्या	मा	प्र	सा	द	मु	ख	जीं
मा	ल	वा	■	स्त	■	ता	■
च	■	स	र	क	ना	■	प
र	वि	■	ह	■	र	स	द
ण	■	इ	म	दा	द	■	क
शु	भा	■	■	स	पु	त्र	■
क्ल	ब	■	हु	■	रा	य	ता
■	रा	ह	त	■	ण	■	ज

एकदा

मुगल भारत में इसलिए स्थाई हुए क्योंकि उन्होंने भारतीय पर्वों की परवाह की

होली रंगों का त्योहार है। रंग खुशी के प्रतीक होते हैं। दुखद है कि आज गंगा जमनी तहजीब की बात तो होती है पर जो लोग अपने हित साधन के लिए यह बात करते हैं वे ही उस पर अमल नहीं करते। इतिहास के पन्नों में देखें तो भारत में मुसलमान केवल इसलिए यहां के निवासी बन सके क्योंकि उन्होंने हिंदुस्तान की संस्कृति को अपनाया। मुगल बादशाहों के समय में होली के त्योहार का खूब जिक्र मिलता है। इतिहास के जानकार बताते हैं कि मुगल शासन में बादशाहों को रंग से कोई परहेज नहीं था। मुगल शासन काल में मवेशी के सींगो के खोल में रंग भरकर पिचकारी के रूप में इस्तेमाल कर रंग फेंका जाता था। बादशाह जहांगीर के समय में बांस की पिचकारी बनाकर उसमें रंग भरकर वह अपने महल के दरबारी और राज्यों के साथ होली खेलते थे। यह उल्लेख साहित्य में वर्णित है। बादशाह मोहम्मद शाह के होली खेलने का जिक्र इतिहास में दर्ज है। जहांगीर काल में जहांगीर द्वारा होली खेलने की कई पेंटिंग्स आज भी मौजूद हैं। प्लास्टिक का आविष्कार मुगल शासन काल में तो नहीं हुआ था। तब बांस की पिचकारी बनाकर, या धातु की पिचकारी का उपयोग किया जाता था। गुलाल और वनस्पतियों, खास कर टेसू के फूलों के रंगों को पानी में घोलकर पिचकारी में भरा जाता था। जिससे होली खेली जाती थी। यह प्रथा भारत की संस्कृति का हिस्सा है। आज भी कई ऐसे मुस्लिम परिवार हैं जो होली का त्योहार गर्व से खेलते हैं। होली को ईद द्र गुलाबी कहा जाता था।

0 विवेक रंजन श्रीवास्तव

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

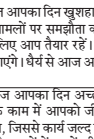

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। कई दिनों से रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। धैर्य से आज आपके सारे काम बनते नजर आएंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी घर के काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य जल्द पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से पूरे होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के रंग भर देंगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपको महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। आज कोर्ट कचहरी के मामलों में जीत हासिल हो सकती है। आज समाज में मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आज कारोबार में सफलता और नौकरी में तरक्की हो सकती है। आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई वस्तु आज अचानक मिल जाएगी। आज आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नये वाहन को खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक तौर पर यह समय आपके लिए फूंक-फूंक कर कदम रखने वाला होगा। वृश्चिक राशिः आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरूआत अच्छे विचारों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेगा। इस राशि के लोगों को आज पारिवारिक सुख और शांति का लाभ होगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

मकर राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। आज शैक्षणिक कार्यों में मन लगेगा। आज राजनीति में सफलता मिलेगी। पहले किये हुए निवेश का आज लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की वजह से मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होने वाली है। आज करियर को लेकर लाभ मिलने वाला है।

कामयाबी की राह पाइए इस स्मार्ट करियर ऑप्शन से

आप अगर अपने करियर को लेकर पहले से ही जागरूक रहे तो कुछ ही सालों में वे अपने करियर में अच्छी ग्रोथ हासिल कर सकती हैं। इसके लिए पहला कदम है ऐसे करियर का चुनाव करना, जिसमें उनके लिए अपने टैलेंट को शोकेस करने के लिए अच्छी संभावनाएं हो। हालांकि आज के समय में प्रोफेशनली कामयाबी हासिल करने के लिए ढेर सारे विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ खास करियर आगे बढ़ने के लिए कहीं ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। इन करियर को अपनाने पर महिलाएं आगे चलकर वर्किंग वुमन की भूमिका के साथ न्याय करने के साथ-साथ वर्कलाइफ बैलेंस भी स्थापित कर सकती हैं। लाइब्रेरी साइंस में किस तरह के करियर की संभावनाएं हो सकती हैं, आइए जानते है-

लाइब्रेरी साइंस में बनाइए करियर

अगर आप लाइब्रेरी साइंस का करियर ऑप्शन चुनती हैं तो इसमें आपको जॉब और करियर ग्रोथ की काफी संभावनाएं मिलती हैं। नियमों के अनुसार देश के हर स्कूल, कॉलेज, इंस्टीट्यूट, संस्थान, विश्वविद्यालय, कम्युनिटी लाइब्रेरी और अनेक सरकारी विभागों में लाइब्रेरियन की नियुक्ति अनिवार्य है। देश में खुलने वाले नए डीम्ड विश्वविद्यालयों के कारण भी बड़ी संख्या में लाइब्रेरियन की जरूरत पैदा हुई है।

महिलाओं के लिए यह क्षेत्र इस मायने में भी उपयुक्त है कि इसमें रात में रात के समय में देरी से छूटने जैसी समस्याएं नहीं हैं, जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इसमें लगभग 6 से 8 घंटे के सीमित समय में महिलाएं अपना काम पूरा कर सकती हैं।

एक लाइब्रेरियन के तौर पर आप अपने घर के आसपास एक स्कूल, कॉलेज, क्लब या पब्लिक लाइब्रेरी में जॉब तलाश सकती हैं। इस क्षेत्र में स्थापित होने के लिए किसी भी विषय से ग्रेजुएशन करें और उसके बाद 2 पाठ्यक्रम पूरे करें - एक वर्षीय बैचलर्स इन लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइन्स (बीएलआईएस) और उसके बाद एक वर्षीय मास्टर्स इन लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइन्स (एमएलआईएस)। इस प्रकार दो वर्षों में आप लाइब्रेरी साइंस में स्नातकोत्तर हो जायेंगी और फिर किसी भी संस्थान में लाइब्रेरियन के पद के लिए आवेदन दे सकेंगी।

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का विशेष महत्व

महिलाएं एक बात का विशेष ध्यान रखें कि लाइब्रेरी साइंस में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का विशेष महत्व होता है। लाइब्रेरी साइंस में कई दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जहां केवल डिग्री बांटने पर जोर दिया जाता है। ऐसे पाठ्यक्रमों का आपको कोई विशेष लाभ रोजगार में नहीं मिल पायेगा। इसीलिए कोशिश करें, पाठ्यक्रम रेगुलर/फुलटाइम हो। यदि दूरस्थ शिक्षा से बीएलआईएस या एमएलआईएस पाठ्यक्रम करना हो, तो इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ रहेगा।

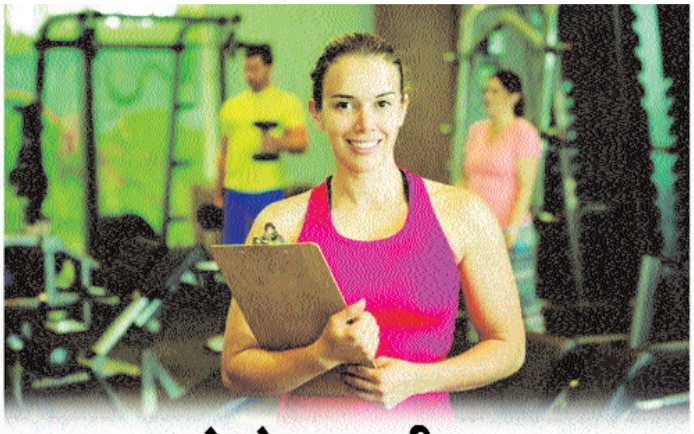

स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी जागरूकता के कारण जिम व्यवसाय में बहुत है स्कोप

स्वास्थ्य को लेकर लोगों के बीच में बढ़ी जागरूकता के कारण इस व्यवसाय में आपके लिए बहुत स्कोप है। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आपको क्या करना होगा।

आज की नई पीढ़ी अपने स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरुक है और यही वजह है कि उनका रुझान जिम की ओर बढ़ता जा रहा है। अपने फिटनेस के लिए लोग हर महीने हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, ऐसे में आए दिन जिम की मांग बढ़ती जा रही है। जिम के बिजनेस में सबसे अच्छी बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद कई सालों तक इससे अच्छी कमाई हो सकती है। लोग इन दिनों छोटी-छोटी जगहों पर जिम खोलकर पैसे कमा रहे हैं और अगर आपको भी फिटनेस का क्रेज है और आप भी जिम खोलना चाहती हैं, तो चलिए हम आपको बताते है जिम का बिजनेस कैसे शुरु कर सकती है और इसके लिए आपको क्या करना होगा। आपको बता दें कि जिम दो तरह के होते हैं पहला जिसमें वेट लिफ्टिंग और कार्डियो उपकरणों आदि की सुविधा होती है। इसमें बॉडी बनाने, वजन कम करने इत्यादी की ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरा है फिटनेस सेंटर, इसमें योगा, एरोबिक्स, वजन घटाना, वजन बढ़ाना, मार्शल आर्ट, आसन इत्यादि सिखाए जाते हैं, फिटनेस सेंटर का बिजनेस जिम की तुलना में थोड़ा महंगा होता है।

प्रशिक्षित होना जरूरी

अगर आप जिम खोलना चाहती हैं तो आपका प्रशिक्षित होना बहुत जरूरी है। वैसे अगर आप स्वय प्रशिक्षित नही हैं तो आप अपने जिम में ट्रेनर या कोच रख सकती हैं लेकिन ट्रेनर या कोच के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति को ही प्राथमिकता दें।

जिम का रजिस्ट्रेशन कैसे करवाएं

आपको बता दें कि जिम का रजिस्ट्रेशन स्माल स्केल इंडस्ट्री के तहत होता है, इसके लिए जिले के उद्योग विभाग से फॉर्म लेना होगा। इस फॉर्म को भरकर जमा करने पर आपको जिम खोलने का लाइसेंस मिल जाता है। शुरुआत में आपको उद्योग विभाग अस्थायी लाइसेंस देगा, बाद में आप स्थायी लाइसेंस के लिए भी आवेदन कर सकती हैं। आजकल रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है।

जगह का चयन

फिटनेस सेंटर या जिम खोलने के लिए जगह का चयन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ऐसा जरूरी नहीं कि आप इसे किसी प्राइम लोकेशन पर ही खोलें, आप चाहें तो इसे किसी छोटी सी जगह पर भी खोल सकती हैं, लेकिन यह ध्यान रखें कि जहां भी आप जिमखोल रही हैं वहां आने वालों के लिए पार्किंग की सुविधा जरुर हो। जिम खोलने के लिए आपको 2000 से 2500 स्कायर फीट तक का प्लॉट लेना होगा लेकिन आपका बजट अगर कम हो तो आप इसे कम जगह में भी खोल सकती हैं। वहीं, आप जिम किसी भी फ्लोर पर शुरु कर सकती हैं।

मशीनों की जरूरत

एक सामान्य जिम खोलने के लिए आपको कम से कम पद्रंह तरह की मशीनों की जरुरत पड़ेगी। जिन मशीनों की जरुरत होती है, उनमें बेंच प्रेस, ट्रेड मिल, लेग प्रेस, बटर फ्लाई, लेट पुल डाउन, पैक डेक, डिप बार, केबल क्रॉस ओवर, प्रीचर बेंच, सिटअप बेंच, दो नॉर्मल बेंच, स्किपिंग रोप, योगा मैट, रॉड, डंबल, स्टैंड इत्यादि। इन मशीनों में सबसे महंगा ट्रेड मिल है इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये है। इसके अलावा आपको लाइट, म्यूजिक सिस्टम, एसी और इंटीरियर डेकोरेशन के कुछ सामान खरीदने होंगे।

जिम का प्रचार कैसे करें

जिम की आमदनी वहां आने वाले ग्राहकों पर ही निर्भर करती है और इसके लिए आपको जिम का प्रचार-प्रसार करना होगा और जिम की जानकारी देनी होगी। इसके लिए आप उस इलाके के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगवा सकती हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी प्रचार करवा सकती हैं। लोकल न्यूज चैनल और अखबारों के माध्यम से प्रचार कर सकती हैं।

जिम में महीने का खर्च

जिम खोलनेपर आपको महीने में कम से कम 70,000 रूपये खर्च करने होंगे। इसमें मकान का किराया, बिजली बिल, मशीनों पर खर्च, ट्रेनर और अन्य कर्मचारियों का वेतन इत्यादि शामिल होंगे। अगर आप खुद ट्रेनर हैं तो अपने कुछ पैसे बचा सकती हैं।

आमदनी और फीस की जानकारी

आमतौर पर जिम की फीस दस हजार रुपये मासिक होती है। इस हिसाब से अगर आपके जिम में कम से कम दो सौ लोग भी नियमित रूप से आते हैं तो आपको फीस से दो लाख रुपये की आमदनी होगी। वहीं, अगर छोटे-मोटे खर्चों को निकाल दे तो आपको हर महीने कम से कम एक लाख रुपये की आमदनी होगी। खरीदी गई मशीनों का कॉस्ट निकल जाने के बाद आपकी कमाई बढ़ जाएगी।

इन बातों का रखें ध्यान

जिम के लिए आने वाले व्यक्ति से मान्यता प्राप्त डॉक्टर या अस्पताल का हेल्थ सर्टिफिकेट जरूर मांगे। अगर किसी भी कस्टमर को कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होगी तो वह आप पर क्लेम नहीं कर पाएगा। आप अगर जिम के साथ-साथ सप्लीमेंट का भी बिजनेस कर रही हैं तो क्वालिटी प्रोडक्ट ही बेचें, नहीं तो आपकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

करियर स्विच करने से पहले जरूर सोचें

क्या आपको अपने काम से संतुष्टि नहीं मिलती? क्या आप हर दिन ऑफिस जबरदस्ती जाती है? ऑफिस जाने के बाद आपकी नजर सिर्फ घड़ी पर होती है? अब आपको अपने काम में बोरियत महसूस होती है और आप अपने करियर को स्विच करने के बारे में सोच रही है? अगर इन सभी सवालों के जवाब हां हैं तो इसका अर्थ है कि आपको शांति से बैठकर खुद से कुछ सवाल करने की जरूरत है।

दरअसल, हर दिन एक ही काम करते-करते बोरियत होने लगती है और फिर आपका मन उस काम में नहीं लगता। ऐसे में आप कुछ नया करने के बारे में सोचती हैं, लेकिन करियर स्विच करने का फैसला इतना भी छोटा नहीं है। करियर स्विच करने से पहले आपको कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। तो चलिए आज हम आपको उन बातों के बारे में बता रहे हैं, जिनके बारे में आपको करियर स्विच करने से पहले जरूर सोचना चाहिए-

बरतें ईमानदारी

करियर स्विच करना जीवन का एक बहुत बड़ा फैसला है और इसलिए इस फैसले को लेने से पहले आपको खुद के साथ ईमानदारी बरतना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आप खुद से यह सवाल पूछें कि क्या सच में आप अपना करियर स्विच करना चाहती हैं और क्या आप जो रही है, उसमें आपका पैशन नहीं है। दरअसल, जिस काम को करना आप पसंद नहीं करती, उससे बेहद जल्द बोर हो जाती हैं। अगर ऐसा नहीं है और हर दिन एक ही काम करने के कारण आपके भीतर यह उबाउपन है तो करियर स्विच करने की बजाय कुछ नई जिम्मेदारियां उठाने की कोशिश करें।

शुरूआत से शुरू

जब आप किसी नई फील्ड में खुद को स्थापित करने की कोशिश करती हैं तो इसमें एक लम्बा वक्त लगता है। ऐसा नहीं है कि अगर आज आप करियर स्विच करने की सोच रही हैं तो अगले दिन ही आपको एक अच्छी जॉब मिल जाएगी या आप सफलता की उस बुलंदी पर पहुंच जाएंगी, जिसकी आपको इच्छा है। तो खुद से यह जरूर पूछे कि क्या आप दोबारा उतनी कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं?

फाइनेंशियल प्रभाव

जब आप अपना करियर स्विच करती हैं तो इसका आपके जीवन पर फाइनेंशियली भी काफी असर पड़ता है। हो सकता है कि इस जॉब में आप एक अच्छी पोस्ट पर हाई सैलरी में हो। लेकिन जब आप करियर स्विच करेंगी तो आपको बेसिक सैलरी से ही काम की शुरूआत करनी होगी। क्या आप सैलरी में इस गिरावट को मैनेज कर सकती हैं और इससे आपके मासिक खर्चों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमूमन देखने में आता है कि कुछ लोग अपने काम से परेशान होकर जॉब तो स्विच कर देते हैं, लेकिन जब उन्हें सैलरी मनमुताबिक नहीं मिलती तो उन्हे पहले की जॉब व काम ही अच्छा लगता है और करियर चेंज का फैसला उन्हें गलत नजर आता है।

पारिवारिक प्रभाव

आपका करियर चेंज का फैसला सिर्फ आपको ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इससे आपका पूरा परिवार जुड़ा होता है। दरअसल, हर जॉब की अपनी मांग व जरूरतें होती हैं। कुछ काम को करते समय आपको काफी घूमना पड़ता है तो किसी काम में आपको लेट नाइट काम करना पड़ सकता है। ऐसे में आपकी फैमिली पर उसका असर पड़ सकता है। इसलिए किसी भी फील्ड में जाने से पहले यह भी अवश्य देखें कि इससे आपके परिवार व पारिवारिक जिम्मेदारियों पर कितना असर पड़ रहा है और क्या आप और आपका परिवार इस बदलाव के लिए तैयार है।

लें प्रोफेशनल हेल्प

अगर आप खुद को असमंजस की स्थिति में पाती हैं और किसी भी निर्णय को लेने मे असमर्थ है तो बेहतर होगा कि आप किसी करियर काउंसलर की मदद लें। आप उन्हें अपनी वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं और साथ ही यह भी बताएं कि आप अपना करियर चेंज क्यों करना चाहती हैं। इसके अतिरिक्त आप किस फील्ड में जाने का मन बना रही हैं। इस तरह आपकी पूरी स्थिति को जानने के बाद एक करियर काउंसलर आपको सबसे बेस्ट सलाह देगा। साथ ही आपकी रूचि के अनुसार कुछ ऐसे ऑप्शन भी बताएगा जो आपके लिए काफी अच्छे रहेंगे। इसलिए करियर चेंज करने से पहले एक बार करियर काउंसलर से मिल लेना काफी अच्छा रहेगा।

फेसबुक कंटेंट की मदद से ऐसे कमा सकते हैं पैसे

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का अधिकतर इस्तेमाल हम सभी वीडियो, फोटो, कंटेंट पढ़ने के लिए करते हैं। बता दें कि आप कंटेंट पोस्ट कर पैसा कमा सकते हैं। चलिए जानते है कैसे।

क्या आप फेसबुक पर कंटेंट लिखकर पोस्ट करते हैं और कंटेंट क्रिएटर्स हैं, तो बता दे कि आप इसकी मदद से पैसा भी कमा सकती हैं। वैसे तो वर्तमान में फेसबुक सबसे पुराना लोकप्रिय प्लेटफॉर्म ही नहीं, बल्कि यह एक यूजफुल ऑनलाइन टूल है, जिसकी मदद से आप घर बैठे अर्निंग और फ्री में इस्तेमाल कर सकती हैं। आज के समय कई सारे लोग ऑनलाइन इसकी मदद से पैसा कमाते हैं। अगर आप भी फेसबुक की मदद से कमाई करना चाहती हैं, तो इसके लिए आपको अपने कंटेंट को मोनेटाइज करने की जरूरत पड़ेगी।

फेसबुक पर कमाई के लिए जरूरी मापदंड

- अगर आप फेसबुक की मदद से पैसा कमाना चाहते है, तो इसके लिए सबसे पहले फेसबुक अकाउंट बनाए।
- फेसबुक की मोनेटाइजेशन पॉलिसी का पालन करना।
- फेसबुक की कम्युनिटी स्टैंडर्ड का ध्यान रखना।
- इसके बाद प्राइवेसी का पालन करना।
- कंटेंट फेसबुक की मोनेटाइजेशन पॉलिसी के अनुरूप हों।
- मोनेटाइजेशन मेथड के आधार पर फॉलोअर्स और व्यूज की संख्या होना।

फेसबुक पेज से कैसे कमाएं पैसे?

अगर आपके पास कंटेंट, वीडियो एडिटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग और कंटेंट राइटिंग आदि चीजों की अच्छी समझ है, तो आप कंटेंट-आधारित फेसबुक पेज शुरू कर सकते हैं। अगर आप पेज पर कंटेंट अच्छा डलेगी तो भरोसेमंद दर्शक वर्ग भी मिलेगे, जिससे आप प्लेटफॉर्म पर और बाहर भी अलग-अलग तरीके से पैसे कमा सकते हैं। आप चाहे, तो ग्रुप के माध्यम से प्रोडक्ट और सर्विस को बेच सकते हैं या वेबसाइट पर ट्रैफिक लाने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो रेवेन्यू जनरेट कर सकता है। फेसबुक पेज बनाने के लिए फॉलो करें ये स्टेप्स

- सबसे पहले फेसबुक पर लॉगइन करें।
- इसके बाद बायीं ओर पेज ऑप्शन पर क्लिक करें।
- अब Create new Page वाले ऑप्शन पर क्लिक करे।
- इसके बाद आपको पेज का नाम और कैटेगरी सिलेक्ट करना होगा।
- अब यहा पेज का बायो, प्रोफाइल पिक्चर, कवर फोटो आदि को एड करें।
- इसके बाद Done पर क्लिक करते ही फेसबुक पर पेज तैयार कर सकते हैं।

फेसबुक पर वीडियो कंटेंट को अपलोड करके आप कमाई कर सकते हैं। क्रिएटर्स अपने फेसबुक वीडियो पर इन-स्ट्रीम ऐड करके भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। ये शॉर्ट एड होते हैं, जो आपके फेसबुक वीडियो को देखे जाने के दौरान चलाए जाते हैं।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों में भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू 18 जून को

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रिक्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों पर अस्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इन पदों पर संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। जिले के जिन विद्यालयों में यह नियुक्तियां की जानी हैं, उनमें चिरमिरी, मनेन्द्रगढ़, भरतपुर, केल्हारी, नवापारा पोंड़ी, खड़गवां और पोंड़ी बचरा स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को 18 जून को वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की स्व प्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित तिथि और स्थल पर स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

अमराई की छांव में गूंजा सुशासन का स्वर

समाधान शिविर में मंत्री राम विचार नेताम पहुंचे, महिलाओं के उत्पाद खरीदे और नवाचारों की सराहना की
स्वास्थ्य जांच, प्रमाण पत्र, पौधा वितरण, आयुष्मान कार्ड और किसानों को दी गई सामग्री
मिलेट्स, लीची और स्व-सहायता समूह के उत्पादों को मंत्री ने बताया भविष्य का रास्ता

कोरिया बैकुंठपुर - बैकुण्ठपुर विकासखण्ड के ग्राम मनसुख में सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत अमराई की छांव में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रदेश के केबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम विशेष रूप से उपस्थित हुए। मंत्री श्री नेताम ने जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों विशेष चावल, सोनहनी शहद, कोरिया मोदक लड्डू आदि को खरीदा और स्वादिष्ट भोजन पर १००० रुपये का नगद पुरस्कार भी दिया। उन्होंने लीची और खरबूजे की गुणवत्ता की भी सराहना की।

मंत्री श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार पूरी कर रही है। १८ लाख आवासों की स्वीकृति, किसानों को ३१०० प्रति क्विंटल धान मूल्य और महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को हर माह १००० रुपए की आर्थिक सहायता जैसे कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने मिलेट्स (कोदो, कुटकी, रागी) की खेती, जल संरक्षण और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि की ओर लौटना ही भविष्य का रास्ता है। धान के अलावा दलहन, तिलहन, सब्जियां व मिलेट्स को ज्यादा से ज्यादा लगाने की अपील की।मंत्री ने अधिकारियों से भी आग्रह किया कि वे योजनाओं को आमजन तक पहुँचाकर जिले को नई पहचान दें। शिविर में ग्रामीणों को प्रमाण पत्र, किसान पुस्तिका, चेक, आयुष्मान कार्ड, व्हील चेयर एवं अन्य हितग्राही सामग्री वितरित की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। समाधान शिविर में बैकुण्ठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी, अध्यक्ष मोहित पैकरा एवं उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

मंत्री रामविचार नेताम पहुंचे बैकुण्ठपुर, तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

21 मई को समाधान शिविर व पंजीयन विभाग की वर्कशॉप में लेंगे भाग

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री तथा कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम शाम ७ बजे सर्किट हाउस, बैकुण्ठपुर पहुंचे। इस अवसर पर बैकुण्ठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अगवानी की। मंत्री श्री नेताम 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के उपलक्ष्य में बैकुण्ठपुर में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने 'भारत माता की जय के नारों के साथ वीर जवानों की शौर्य को नमन किया। मंत्री श्री नेताम ने कहा ने हमारी सेना अत्यंत साहसी है। उन्होंने कहा हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत के वीर जवानों ने आतंकियों के ठिकाने को नष्ट किए हैं। उन्होंने कहा कि सेना का शौर्य और पराक्रम से हमारे देश का मनोबल बढ़ा है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम सेना के अदम्य साहस को सलाम करते हैं। हम सभी को उनका सम्मान करना चाहिए, क्योंकि उनके कारण ही हम अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं।

समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुनेंगे - मंत्री श्री नेताम २१ मई को प्रातः १०:३० बजे जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत मनसुख में च्सुशासन तिहार २०२५ज के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में शामिल होंगे। शिविर के दौरान वे नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे, योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे एवं पात्र हितग्राहियों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी करेंगे। **पंजीयन विभाग की वर्कशॉप में करेंगे सहभागिता** - उक्त कार्यक्रम के पश्चात दोपहर ४ बजे मंत्री श्री नेताम जिला पंचायत ऑडिटोरियम, बैकुण्ठपुर में आयोजित पंजीयन विभाग की च्दस क्रांतिज विषयक वर्कशॉप में भाग लेंगे। इस वर्कशॉप में विभागीय नवाचारों और प्रक्रियाओं पर चर्चा की जाएगी तथा अधिकारियों और आमजन को नवीन सुधारों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के समापन के पश्चात वे सायंकाल ग्राम सनावल जिला बलरामपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि, कांग्रेसजनों ने मनाया आतंकवाद विरोध दिवस और ली आतंक के खिलाफ शपथ

कोरिया बैकुंठपुर - भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ३४वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज राजीव भवन, कांग्रेस कार्यालय में आतंकवाद विरोध दिवस मनाया गया। कांग्रेसजनों ने उनके बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश से आतंकवाद के उन्मूलन का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि से हुई। इसके पश्चात सभी कांग्रेसजनों ने आतंकवाद के खिलाफ शपथ ली। हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्ण शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करते हैं। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझ-बूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ लेते हैं। राजीव गांधी के नेतृत्व में भारत ने तकनीक, पंचायती राज, शिक्षा, विज्ञान और विदेश नीति के क्षेत्रों में नई ऊँचाइयों को छुआ। वे पंचायती राज को सशक्त करने और लोकतंत्र की जड़ें गांव-गांव तक पहुँचाने के पक्षधर थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने राजीव गांधी जी के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान पर मौजूदः जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी मुख्तार अहमद, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, महामंत्री बृजवासी तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, बिहारी राजवाड़े, एस एन मोदी, एजाज गुड्डु, रवि शंकर राजवाड़े, संगीता राजवाड़े, विकाश श्रीवास्तव, धीरज सिंह, दीपक गुप्ता, राजीव गुप्ता, धीरज शिवहरे, अंकित गुप्ता, मनीष सिंह, शशि मांझी, हीरालाल साहू, संतोष गोयन, रामसाय सोरी, सोहन स्वामी, लालदास महंत, एवं अनेकों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत, 2 घायल

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मुसरा में आकाशीय बिजली गिरने से एक ग्रामीण युवक की जहां मौके पर ही मौत हो गई वहीं महिला सहित दो लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेंद्रगढ़ में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को शाम 4 बजे ग्राम पंचायत मुसरा में 30 वर्षीय रन साय पिता शिवलाल सहित महिला गुलबिया पति गेंदलाल और पंकज पिता रामप्यारे एक साथ पंचायत भवन के समीप बकरी चरा रहे थे, तभी अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों एक पेड़ के नीचे शरण लिए हुए थे, इस बीच तीव्र गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरने से तीनों इसकी चपेट में आ गए। हादसे में युवक रन साय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि महिला गुलबिया और पंकज गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक की असमय मौत से गांव में शोक का वातावरण है।

डाइट कोरिया में शिक्षा में एआई के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन द्वारा एससीईआरटी छत्तीसगढ़ के सहयोग से च्शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोगज्ज पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन २१ मई को डाइट कोरिया, बैकुंठपुर में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्री-सर्विस टीचर्स (क्कस्ञ्जह्य) को २१वीं सदी की डिजिटल क्षमताओं से लैस करना था। इस अवसर पर ८५ प्री-सर्विस टीचर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डाइट प्राचार्य एस. एल. सोनवानी, पीएसटीई प्रभारी अनिल बंजारें, तथा कर्तिकेय शर्मा एवं शैलेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षण के क्षेत्र में उभरती तकनीकों को अपनाने के महत्व पर बल दिया।

इस कार्यशाला का संचालन एडइंडिया फाउंडेशन से हिमांशु राजमाने ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को ChatGPT, Gemini, Meta AI, Perplexity, Microsoft CoPilot, InVideo Canva AI जैसे प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म्स से परिचित कराया। कार्यशाला के दौरान क्कस्ञ्जह्य ने स्पष्ट और संदर्भयुक्त प्रॉम्प्ट्स लिखने की तकनीक सीखी, जिससे वे शिक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे रोल-प्ले स्क्रिप्टिंग, कहानियाँ लिखना, प्रश्नपत्र और वर्कशीट बनाना, नारे गढ़ना, और माता-पिता, सहकर्मियों व अधिकारियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना सीख सके। साथ ही, उन्होंने एआई का उपयोग करके नए विचारों पर मंथन करने और मौजूदा शिक्षण रणनीतियों का मूल्यांकन करना भी सीखा। एक प्रतिभागी क्कस्ञ्ज ने अनुभव साझा करते हुए कहा, च्मैं सोचता था कि एआई बहुत जटिल होता है, लेकिन इस सत्र ने इसे बहुत ही सरल और उपयोगी बना दिया। अब मैं आसानी से वर्कशीट तैयार करने या गतिविधियों के लिए नए विचार प्राप्त करने के लिए ष्टद्धड्डह्लत्रक्कञ्ज जैसे टूल्स का उपयोग कर सकता हूँ। यह मेरे आने वाले इंटर्नशिप के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य में शिक्षक बनने पर भी काफी मददगार रहेगा।ज्ज सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया कार्यशाला की प्रासंगिकता और उपयोगिता को दशार्ती है। स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन छत्तीसगढ़ राज्य के प्री-सर्विस टीचर्स के शैक्षिक कौशल संवर्धन हेतु इस प्रकार के नवाचारपूर्ण और व्यावहारिक प्रशिक्षणों के माध्यम से अपना सतत प्रयास जारी रखे हुए है, जिसमें वह स्ष्टश्वक्रञ्ज और राज्य के ष्ठढ्ढश्वञ्जह्य के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन धर्म, राजनीति और लोककल्याण का उच्चतम आदर्श है : रामविचार नेताम

कोरिया बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित तेरापंथ भवन मे लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी के जीवनी पर जिला स्तरीय चित्र प्रदर्शन आयोजन किया गया है। पुण्य श्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की तीन सौंवी जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन २१ मई को सुबह ११बजे जिले के प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन (आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण) एवं भैयालाल राजवाड़े विधायक बैकुंठपुर के द्वारा फीता काटकर किया गया। सभी आगंतुक अतिथियों ने लोकमाता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। यह चित्र प्रदर्शनी मुख्य रूप से अहिल्याबाई होल्कर की जीवन यात्रा को प्रदर्शित करती है, एवं उनके संघर्ष के साथ-साथ उनके द्वारा नारी सशक्तिकरण, हिंदू धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार लिए किए गए वृहद कार्यों का वर्णन करती है। साथ ही हमारे महापुरुषों की जीवनी के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। देश भर में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की तीन सौ वीं जन्म जयंती के अवसर पर कार्यक्रम किए जा रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण एवं देशप्रेम से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाना है। मंत्री नेताम एवं विभिन्न सामाजिक जनों के साथ देवी अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित एक वृत्तिचित्र को देखा, जिसका प्रदर्शन प्रोजेक्टर द्वारा किया गया। इस अवसर पर राम विचार नेताम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए लोक माता का स्मरण किया एवं बताया कि समाज पर इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली देवी अहिल्याबाई समाज सुधारक के रूप में पहचानी गई, उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए एवं न्याय व्यवस्था के लिए बड़े पैमाने पर काम किया।

गांजा तस्करी मे संलिप्त सीएएफ आरक्षक गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। गांजा तस्करी में संलिप्त आरक्षक को चिरमिरी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा है।

चिरमिरी पुलिस को 28 अप्रैल 2025 को मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि बैकुंठपुर थाना अंतर्गत ग्राम करीलधोवा सलबा निवासी 31 वर्षीय सुलेश कुमार पिता रंग बहादुर सिंह एक काले रंग के मोटर सायकल हीरो सुपर स्पलेण्डर क्र. सीजी 16 सीआर 2139 मे गांजा रखकर गांजा बिक्री परिवहन करने बंजारीडांड़ तरफ से खड़गवां चिरमिरी की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस द्वारा घेराबंदी कर आरोपी के मोटर सायकल की डिक्की से 2 किलो 195 ग्राम कीमत 30 हजार रूपए को आरोपी के कब्जे से जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के विधित प्रावधानो के तहत कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया था। आरोपी से पूछताछ करने पर उसने अपने कथन में 8वीं बटालियन पेन्ड्री राजनांदगांव मे तैनात आरक्षक बुंदेलाल से मोबाईल फोन से बातचीत होना और आरक्षक की सलिप्ता होना बताया। प्रकरण में संलिप्त आरक्षक की सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाई करने के निर्देष पर पूर्व में गिरफ्तार आरोपी सुलेश कुमार एवं बुंदेलाल के मोबाईल फोन का कॉल डिटेल सायबर

सेल से प्राप्त किया गया। कॉल डिटेल मे आरोपी सुलेश कुमार एवं बुंदेलाल की लगातार बातचीत एवं संलिप्तता होना एवं घटना दिनांक 28 अप्रैल 2025 को भी एक-दूसरे से बात करना पाये जाने पर 8वीं बटालियन पेन्ड्री राजनांदगांव से आरोपी आरक्षक बुंदेलाल को हिरासत मे लेकर थाना खड़गवां लाकर पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी आरक्षक ने मेमोरेण्डम कथन लेख कराया, जिसमे उसके द्वारा महासमुन्द एवं ओडिशा बार्डर के किसी अन्य व्यक्ति से जान पहचान होने पर गांजा मंगाकर परिवहन कर बिक्री करना बताया। साथ ही यह भी बताया कि अपने मोबाईल फोन से उसके पास फोन कर ग्राम करीलधोवा बैकुण्ठपुर के रहने वाले सुलेश कुमार के लिये 2 किलो गांजा मंगवा कर उसे बिक्री करने के लिये दिया था तथा किसी एक अन्य व्यक्ति एवं सुलेश के माध्यम से लगातार गांजा का बिक्री करवाना बताया। गांजा खरीद बिक्री का रकम फोन पे के माध्यम से अपने एकाउंट मे लेना तथा पूर्व में भी महासमुंद जिला में 9 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़े जाने पर चालान होना बताया। आरोपी बुंदेलाल का विवो कम्पनी का मोबाईल फोन मय सिम के बरामद कर अवलोकन करने पर बुंदेलाल के द्वारा फोन पे के माध्यम से किसी एक अन्य व्यक्ति से लगातार लेन-देन करना पाये जाने से उक्त मोबाईल फोन जप्त कर आरोपी का उक्त कृत्य धारा 20बी. 29 एनडीपीएस एक्ट का घटित करना पाये जाने पर 19 मई को उसे गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया है।

कांग्रेसियों ने पूर्व पीएम राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं के द्वारा मनेंद्रगढ़ के राजीव गांधी उद्यान पहुंचकर राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लाने और पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के अविस्मरणीय योगदान को याद किया।

राजस्थान ने चेन्नई को 6 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने खेली एक और शानदार पारी

नई दिल्ली,21 मई। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 62 वें मैच में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया.

पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में 187/8 रन बनाए. जवाब में राजस्थान ने 4 विकेट खोकर 17.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (33 गेंदों पर 57 रन) और कप्तान संजू सैमसन (31 गेंदों पर 41 रन) ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया.

इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल 2025 का अभियान समाप्त हो गया. वो 14 मैचों में 4 जीत और 10 हार के साथ अंक तालिका में 9वें स्थान रहे.

जबकि सीएसके अब आईपीएल 2025 में अंक तालिका में सबसे नीचे ही रहेगी, क्योंकि वो अंक तालिका में 10 वें स्थान पर है. उनका 1 मैच और बचा है जो कि रविवार को तालिका में शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटन्स है. अगर वो राजस्थान से ऊपर जाना चाहते हैं तो गुजरात को बड़े अंतर से हराना होगा. पहले तेज गेंदबाज आकाश मधवाल और युद्धवीर सिंह चरक ने तीन-तीन विकेट चटकाकर सीएसके को 187/8 पर रोका, फिर सूर्यवंशी ने चार चौके और इतने ही छक्के लगाकर सभी राजस्थान को 17 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा करने में सफल हो गई. अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान ने सीजन के दस मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ दूसरी जीत दर्ज की. 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरूआत शानदार रही. यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 चौके और 2 छक्का की मदद से 36 रन बनाए. उसके बाद कप्तान संजू सैमसन और दूसरी तरफ, 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने बेहतरीन शॉट खेले. वैभव ने नूर अहमद की फ्री-हिट डिलीवरी पर छक्का लगाकर 27 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया. दोनों के बीच 59 गेंदों पर 98 रनों की साझेदारी आखिरकार तब समाप्त हुई जब रविचंद्रन अश्विन ने सैमसन (31 गेंदों पर 41 रन) को लॉन्ग ऑन पर आउट कर दिया. उसके बाद सूर्यवंशी (33 गेंदों पर 57 रन) भी अश्विन की गेंद पर कैच आउट हो गए. हालांकि, शिमरॉन हेटमायर (5 गेंदों पर 12* रन) और ध्रुव जुरेल (12 गेंदों पर 31* रन) ने आरआर को 17 गेंद पहले ही जीत दिला दी. इससे पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी सीएसके की टीम पहले दो ओवरों के बाद 12/2 पर लडखड़ा रही थी, क्योंकि युधवीर सिंह ने तीन गेंदों के भीतर डेवोन कॉन्वे (8 गेंदों पर 10 रन) और उर्विल पटेल (2 गेंदों पर 0 रन) को आउट कर दिया था. शुरूआती विकेट गिरने के बाद, सीएसके टीम प्रबंधन ने रविचंद्रन अश्विन को चौथे नंबर पर भेजा. वो अपने आईपीएल करियर में सिर्फ तीसरी बार चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन उन्होंने 13 (8) रन की अच्छी पारी खेली, जिसमें उन्होंने अपनी पारी में एक छक्का और एक चौका लगाया. उन्होंने आयुष म्हात्रे (20 गेंदों पर 43 रन) के साथ 24 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी की.

म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद सीएसके ने रवींद्र जडेजा को पांचवें नंबर पर भेजा, लेकिन यह कदम कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि उन्हें युद्धवीर सिंह (3/47) ने 1 (5) रन पर आउट कर दिया.

अश्विन और जडेजा को बल्लेबाजी क्रम में आगे बढ़ाने का मतलब था कि डेवाल्ड ब्रेविस छठे नंबर पर आए, ब्रेविस ने 25 गेंद में 42 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे. शिवम दुबे को सातवें नंबर पर भेजा गया, जिन्होंने 32 गेंद में 39 रन बनाए और ब्रेविस के साथ छठे विकेट के लिए 36 गेंदों पर 59 रन जोड़े.

हालांकि, ब्रेविस के आउट होने के बाद चेन्नई की स्थिति खराब हो गई क्योंकि वे आखिरी तीन ओवरों में केवल 17 रन ही बना सके और 20 ओवरों में 187/8 पर अपनी पारी समाप्त की.

छोटी खबरें

जेमिनी एआई ऐप के उपयोगकर्ताओं की तादाद 400 मिलियन के पार : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली ,21 मई । गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने ऐलान किया है कि जेमिनी ऐप ने 400 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से एआई मॉडल की 2.5 सीरीज को लेकर उल्लेखनीय वृद्धि और उपयोगकर्ता जुड़ाव देखा जा रहा है। इस तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को कंपनी की एआई रणनीति की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका में 'गूगल आई/ओ 2025इ कॉन्फ्रेंस के दौरान पिचाई ने कहा कि सात मिलियन से अधिक डेवलपर्स जेमिनी के साथ काम कर रहे हैं, जो पिछले साल की तुलना में पांच गुना अधिक है और वर्टेक्स एआई पर जेमिनी का इस्तेमाल 40 गुना बढ़ गया है। उन्होंने बताया, जेमिनी ऐप में 2.5 प्रो का इस्तेमाल करने वालों को लेकर उपयोग में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

पिचाई ने आगे कहा, पिछले साल इस समय हम अपने प्रोडक्ट्स और एपीआई में प्रति माह 9.7 ट्रिलियन टोकन प्रॉसेस कर रहे थे। अब, हम 480 ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रॉसेस कर रहे हैं, जो कि 50 गुना अधिक है। उन्होंने कहा, इस प्रगति का मतलब है कि हम एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में हैं, जहां दशकों से की जा रही रिसर्च दुनिया भर के लोगों, व्यवसायों और कम्युनिटीज के लिए हकीकत बन रही है। पिछले साल लॉन्च होने के बाद से एआई ओवरव्यूज 1.5 बिलियन से ज्यादा यूजर्स तक पहुंच गया है और अब 200 देशों और क्षेत्रों में है। गूगल सीईओ पिचाई ने बताया, गूगल के एआई ओवरव्यूज अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि कर रहे हैं। यह वृद्धि समय के साथ और बढ़? की उम्मीद है। इसके अलावा, एंड-टू-एंड एआई रिसर्च का एक्सपीरियंस लेने की चाहत रखने वाले यूजर्स के लिए हम एक ऑल-न्यू एआई मोड पेश करने जा रहे हैं। गूगल ने एआई मोड के रूप में सर्च अनुभव को पूरी तरह नया रूप देने की घोषणा की है। यह मोड अधिक उन्नत तर्क क्षमता प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता लंबे और जटिल प्रश्न पूछ सकते हैं। शुरूआती परीक्षणों में पाया गया कि उपयोगकर्ता पारंपरिक सर्च की तुलना में 2 से 3 गुना लंबे सवाल कर रहे हैं। गूगल सीईओ ने कहा, मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि एआई मोड की सुविधा अमेरिका में सभी यूजर्स के लिए शुरू हो चुकी है। लेटेस्ट जेमिनी मॉडल्स के साथ हमारे एआई रिस्पॉन्स क्वालिटी और एक्यूरेसी को लेकर बेहतर काम करेंगे। इसके अलावा, अमेरिकी यूजर्स के लिए जेमिनी 2.5 इस हफ्ते की शुरूआत से सर्च के साथ लाया जा रहा है। कंपनी डीप थिंक नाम के एक एन्हांस्ड रिजनिंग मोड को पेश करने के साथ 2.5 प्रो को बेहतर बना रही है।

यह पैरलल थिंकिंग टेक्नीक्स के साथ थिंकिंग और रिजनिंग में लेटेस्ट कटिंग-एज रिसर्च का इस्तेमाल करता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 6.4-6.5 प्रतिशत वृद्धि का पूवार्नुमान : एसबीआई

नई दिल्ली ,21 मई । वैश्विक उथल-पुथल और मौसमी प्रभावों के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था काफी हद तक मजबूत बनी हुई है और वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.5 प्रतिशत रहने का पूवार्नुमान है। यह जानकारी बुधवार को जारी एसबीआई की एक रिपोर्ट में दी गई है। जीडीपी का सांख्यिकीय रूप से अनुमान लगाने के लिए, भारतीय स्टेट बैंक के इकोनॉमिक रिसर्च डिपार्टमेंट ने इंडस्ट्री एक्टिविटी, सर्विस एक्टिविटी और ग्लोबल इकोनॉमी से जुड़े 36 हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स के साथ एक 'नाउकास्टिंग मॉडलइ बनाया है। यह मॉडल वित्त वर्ष 2013 की चौथी तिमाही से वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही तक सभी हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स के कॉमन, रिप्रेजेंटेटिव या लेटेंट फैक्टर का अनुमान लगाने के लिए डायनैमिक फैक्टर मॉडल का इस्तेमाल करता है। एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा, हमारे 'नाउकास्टिंग मॉडलइ के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के लिए अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.5 प्रतिशत के आसपास आनी चाहिए। घोष ने कहा कि यह मानते हुए कि एनएसओ से जारी अपकमिंग डेटा में पहली से तीसरी तिमाही के अनुमानों में कोई बड़ा रिविजन नहीं होगा, हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी 6.3 प्रतिशत रहेगी।

जसप्रीत बुमराह को मिला कप्तान का ताज, शुभमन गिल बने उपकप्तान

0-इंग्लैंड दौरे के लिए पूर्व चीफ सिलेक्टर ने चुनी ऐसी भारतीय टेस्ट टीम

नईदिल्ली,21 मई। टीम इंडिया की अगली टेस्ट सीरीज 20 जून से इंग्लैंड से होनी है, लेकिन अभी तक टेस्ट टीम के कप्तान का ऐलान नहीं किया जा सका है. रोहित और विराट के अचानक टेस्ट से रिटायरमेंट लेने की वजह से बीसीसीआई और चीफ सिलेक्टर पर भी टीम चुनने को लेकर काफी दबाव बढ़ गया है. हर कोई टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान पर अपनी राय रख रहा है. कोई शुभमन गिल को तो कोई जसप्रीत बुमराह को नए टेस्ट कप्तान के रूप में देख रहा है. इस बीच टीम इंडिया के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने भी इस मामले पर खुलकर बात की है और उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपने का समर्थन किया है जबकि शुभमन गिल को उप कप्तान बनाने का सुझाव दिया है. इसके अलावा उन्होंने विराट कोहली की जगह नंबर 4 पर केएल राहुल को बल्लेबाजी कराने की बात कही है. पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद ने कहा कि बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक अच्छे लीडर हैं और वो भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी के हकदार भी हैं. बता दें कि बुमराह ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है, एक इंग्लैंड (2022) में और दो ऑस्ट्रेलिया में पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में. उन तीनों में से बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ टेस्ट मैच जीता था. प्रसाद ने कहा, मेरे कप्तान जसप्रीत बुमराह होंगे क्योंकि उन्होंने पहले ही खुद को एक लीडर के रूप में साबित कर दिया है. जहां तक मेरे उप-कप्तान का सवाल है, मैं चाहूंगा कि शुभमन गिल बुमराह के डिप्टी के रूप में कुछ अनुभव हासिल करें. अगर आपको बुमराह की फिटनेस से कोई समस्या है तो फिर मेरी पसंद केएल राहुल हैं.

एमएसके प्रसाद ने यह भी सुझाव दिया कि केएल राहुल को विराट कोहली की जगह लेनी चाहिए. उन्होंने कहा, जहां तक मेरा आकलन है, नितीश रेड्डी की गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया की तुलना में इंग्लैंड में अधिक प्रभावी होगी. अगर हम 16 खिलाड़ी ले रहे हैं, तो मैं बाएं हाथ के स्विंग गेंदबाज को चाहूंगा और मेरी पसंद अर्शदीप सिंह है. मैं चाहूंगा कि केएल राहुल नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें और मेरा रिजर्व ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन होगा.

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (उपकप्तान), ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नितीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, अभिमन्यु ईश्वरन

बता दें कि भारत ने एटीम के लिए अपनी टीम की घोषणा पहले ही कर दी है, जो इंग्लैंड में दो टूर मैच और एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलेगी. बंगाल के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन इस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है.

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, इशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे

आईपीएल में मुंबई और दिल्ली का मुकाबला

नई दिल्ली,21 मई। आईपीएल 2025 का 63वां मैच मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज खेला जाएगा. ये मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7:30 से शुरू होगा. इस मैच में दिल्ली की कप्तानी अक्षर पटेल करेंगे तो वहीं मुंबई की कप्तानी हार्दिक पांड्या करते हुए नजर आएंगे. ये मैच दिल्ली और मुंबई के लिए काफी अहम होने वाला है. इन दोनों टीमों में से जो ये मैच जीतेगा वो प्लेऑफ में जगह पक्की करने के करीब पहुंच जाएगा. ऐसे में मुंबई और दिल्ली दोनों ये मैच जीतना चाहेंगी. इस समय 12 मैचों में एमआई के 14 और दिल्ली के 12 मैच में 13 अंक हैं. प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बनने के लिए इन दोनों टीमों के बीच जंग होगी. तो आइए इस मैच से पहले पिच रिपोर्ट, वेदर रिपोर्ट, दोनों टीमों के अहम खिलाड़ी और संभावित प्लेइंग-11 के बारे में जानते हैं.

मुंबई को बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव (12 मैच, 510 रन) और रयान रिकेल्टन (12 मैच, 336 रन) से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी. गेंदबाजी में टीम के लिए ट्रेंड बोल्ट (12 मैच, 18 विकेट) और जसप्रीत बुमराह (8 मैच, 13 विकेट) से विकेट चटकाने की उम्मीद होगी. दिल्ली को बैटिंग में केएल राहुल (11 मैच, 493 रन) और अभिषेक पोरेल (11 मैच, 295 रन) से रन बनाने की उम्मीद होगी. दिल्ली के लिए कुलदीप यादव (12 मैच, 12 विकेट) से उम्दा प्रदर्शन की उम्मीद होगी. मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए शानदार मानी जाती है. यहां पर अक्सर हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिलते हैं. इस स्टेडियम की छोटी बाउंड्री लाइन और तेज आउटफील्ड होने के कारण बल्लेबाज बड़े शॉट आसानी से लगा पाते हैं. यहां पर तेज गेंदबाजों और स्पिनरों को मदद कम ही मिलती है. ऐसे में यहां पर रनों का पीछा करना आसान होता है. मुंबई और दिल्ली के मैच पर मौसम की मार पड़ सकती है. इस मैच पर बारिश का साया है. एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार मैच में शाम के समय 90 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है. इस दौरान गरज के साथ बिजली कड़कने की भी उम्मीद है. 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का भी अनुमान है.

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच अब तक कुल 36 मुकाबले खेले गए हैं. इन 36 मैचों में दिल्ली ने 16 मैचों में जीत हासिल की है जबकि मुंबई को 20 मौकों में जीत मिली है. ऐसे में दिल्ली का पलड़ा मुंबई पर भारी नजर आ रहा है.

व्यापार

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की ईवी सेगमेंट में आक्रामक रणनीति निरंतर है जारी, एमजी विंडसर एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट को किया लॉन्च

रायपुर, भारतीय ईवी सेक्टर में अपनी गति को निरंतर बनाए रखते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज एमजी विंडसर एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट को पेश किया है, इससे कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का और विस्तार हुआ है। एमजी विंडसर एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट १७,२४,८०० रुपए की एक?सशोरूम कीमत और १२.२४ एल रुपए +४.५ रुपए/किमी की कीमत पर उपलब्ध होगी। आज यानी मंगलवार से ही, ग्राहक अपने निकटतम एमजी डीलरशिप पर ११,००० रुपए का भुगतान कर इस कार को बुक कर सकते हैं. इस वेरिएंट की डिलीवरी जून के पहले सप्ताह से शुरू होगी. लग्जरी और व्यावहारिकता को एक साथ मिलाते हुए, एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट एमजी विंडसर को विशिष्ट आरामदायक सुविधाओं के साथ-साथ लंबी दूरी की चिंता मुक्त यात्रा के लिए एक बड़े बैटरी पैक के साथ आती है। विलासिता और व्यावहारिकता को एक साथ लाते हुए, एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट एमजी विंडसर की विशिष्ट आरामदायक सुविधाओं के साथ-साथ लंबी दूरी की चिंता मुक्त यात्रा के लिए एक बड़ी बैटरी पैक प्रदान करता है।

इस लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, राकेश सेन, बिक्री प्रमुख, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, च्च्एमजी विंडसर प्रो को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया सराहनीय है, क्योंकि इसके लॉन्च के २४ घंटों के भीतर ८,००० से ज्यादा बुकिंग हो गई हैं। टॉप वेरिएंट के बाजार में स्थापित होने के साथ, हम एमजी विंडसर की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं और एक्सक्लूसिव प्रो वेरिएंट पेश कर रहे हैं, जो प्रीमियम आराम और सुविधा के साथ एक बड़े बैटरी पैक के साथ आती है। इस कदम का उद्देश्य एमजी विंडसर प्रो को और अधिक ग्राहकों के करीब लाना है।

एमजी विंडसर एक्सक्लूसिव प्रो में फ्यूचरिस्टिक एयरोग्लाइड डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है और यह एमजी के ग्लोबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर निर्मित है, जो अपनी विश्वसनीयता के लिए प्रसिद्ध है। नया इंटीरियर आलीशान है, और रिक्लाइनेबल (१३५ डिग्री तक) एयरो लाउंज सीट हर यात्रा को एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने 1,200 करोड़ रुपए के नए प्लांट की आधारशिला रखी, 2,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली ,21 मई । सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने मंगलवार को हरियाणा में अपने नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसमें लगभग 1,200 करोड़ रुपए के शुरूआती निवेश से पहले चरण में 7.5 लाख यूनिट्स के उत्पादन की वार्षिक क्षमता तैयार की जाएगी।

हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) द्वारा विकसित औद्योगिक टाउनशिप आईएमटी खरखौदा में स्थित यह प्लांट औद्योगिक अवसंरचना को बढ़ावा देने वैश्विक निवेश को आकर्षित करने और क्षेत्र में रोजगार पैदा करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस प्लांट में उत्पादन 2027 में शुरू होगा, जिससे भारत में एसएमआईपीएल की उत्पादन क्षमताओं में इजाफा होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक बार चालू होने के बाद, यह लगभग 2,000 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा।

एसएमआईपीएल के प्रबंध निदेशक केनिची उमेदा ने कहा, भारत में अपने दूसरे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखना, न केवल एक ब्रांड के रूप में बढ़? पर बल्कि भारत के लोगों और समुदायों के साथ बढ़ने पर हमारे फोकस को दर्शाता है।

शेयर बाजार को लगी नजर, निवेशकों के 5.5 लाख करोड़ स्वाहा

मुंबई ,21 मई । भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का कारोबारी सत्र नुकसान वाला रहा। बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,186.44 और निफ्टी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,683.90 पर बंद हुआ।

खास बात तो ये है कि भारत के शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों को देखें तो सेंसेक्स में 1300 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखने को मिल चुकी है। जबकि निफ्टी तीन कारोबारी दिनों में 378 अंक गिर चुका है। मंगलवार को निवेशकों के 5.50 लाख करोड़ रुपए डूब गए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 922 अंक या 1.62 प्रतिशत गिरकर 56,182.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 166.65 अंक या 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,483 पर था।

शेयर बाजार के गिरने की वजह कमजोर वैश्विक संकेतों को माना जा रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स के साथ ज्यादातर एशियाई बाजार लाल निशान में थे। सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए हैं। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, मीडिया, एनर्जी और फार्मा सबसे ज्यादा गिरने वाले इंडेक्स थे। सेंसेक्स पैक में इटरनल (जोमैटो), मारुति सुजुकी, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, नेस्ले, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स,एसबीआई, टेक महिंद्रा और टाइटन टॉप लूजर्स थे। बीएसई बेंचमार्क में केवल टाटा स्टील, इन्फोसिस और आईटीसी टॉप गेनर्स थे। बाजार में गिरावट की एक और वजह जापान सरकार के बॉन्ड यील्ड में तेजी आना है। 20 वर्ष के बॉन्ड की यील्ड साल 2000 के बाद सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। वहीं, 30 वर्ष के वर्ष के बॉन्ड की यील्ड रिकॉर्ड स्तर पर है, जिससे जापान की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं। जापान के साथ अमेरिका और अन्य विकसित देशों के बॉन्ड यील्ड में भी गिरावट हो रही है। शेयर बाजार की शुरूआत हल्की गिरावट के साथ हुई थी। सुबह करीब 9.31 बजे, सेंसेक्स 40.79 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,018.63 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 22.10 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,923.35 पर कारोबार कर रहा था। एनएसई के प्रोविजनल डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 19 मई को 525.95 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) 237.93 करोड़ रुपए के शुद्ध विक्रेता थे।

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी | रायपुर, गुरूवार 22 मई, 2025 | 8

4 लाख का गांजा जब्त

रायपुर। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम तथा थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम छडिया में मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी करते हुये व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पुछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मोहन सिंग कोशले उर्फ राकेश निवासी ग्राम छडिया खरोरा का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बोरी की तलाशी लेने पर बोरी में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी मोहन सिंग कोशले उर्फ राकेश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 27.894 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 4,18,410 रुपए जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 308/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

न्यूज गैलरी

बारिश के मौसम में राशन की चिंता से मिलेगी मुक्ति, सभी पीडीएस दुकानों में एक मुश्त मिलेगा तीन माह का चावल

जून से जुलाई तक का चावल 31 मई तक भण्डारण करने के निर्देश

रायपुर। राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम,छत्तीसगढ़ खाद्य और पोषण सुरक्षा अधिनियम एवं मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के राशन कार्डधारी परिवारों को माह जून से अगस्त 2025 तक राशन सामग्री आवंटन का भंडारण एवं वितरण के निर्देश दिये गए हैं।सभी राशनकार्डधारियों को माह जून से अगस्त 2025 तक पात्रता अनुसार चावल का वितरण माह जून में एकमुश्त किया जाएगा। माह जून से अगस्त तक एक मुश्त राशन मिलने से बारिश के मौसम में लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा। आवंटन अनुरूप चावल का भण्डारण उचित मूल्य दुकानों में 31 मई 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए जाने एवं तीन महीने का चावल 30 जून तक वितरण कराने के निर्देश दिये गए हैं। चावल को छोड़कर अन्य खाद्यान्न सामग्री का भण्डारण एवं वितरण नान में स्टॉक की उपलब्धता के आधार पर माह जून से अगस्त के दौरान प्रति माह पृथक -पृथक जारी आवंटन अनुसार भण्डारण एवं वितरण किया जाएगा। तीन माह का चावल वितरण हेतु सभी उचित मूल्य दुकानों में चावल उत्सव का आयोजन किया जाएगा।दुकान स्तर की निगरानी समिति के समक्ष हितग्राहियों को चावल एवं अन्य राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा।

आप सांसद संजय 23 को आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह 23 मई को 8 बजे रायपुर एयरपोर्ट में आगमन होगा। संजय सिंह 24 मई को धमतरी के सिहावा अंचल अंतर्गत उमरादेहान गांव के लिए सुबह 9 बजे रायपुर से प्रस्थान करेंगे। राज्यसभा सांसद के साथ प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू, प्रदेश महासचिव वदूद आलम, प्रदेश संगठन महासचिव जसबीर सिंग, प्रदेश, सोशल मीडिया प्रभारी और प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष देवलाल नेरेटी, प्रदेश संगठन मंत्री तेजेंद्र तोड़ेकर व प्रदेश के सभी नेतागण साथ रहेंगे। जहाँ वे क्षेत्र के आदिवासी समाज के लोगों से गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे, साथ ही अंचल के आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे।

सर्वे सूची में शामिल हितग्राहियों को मिलेगा पीएम आवास - मुख्यमंत्री

00 जशपुर जिले के दोकड़ा में कॉलेज खोलने सहित कई घोषणाएं, 00 मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे दोकड़ा के समाधान शिविर में

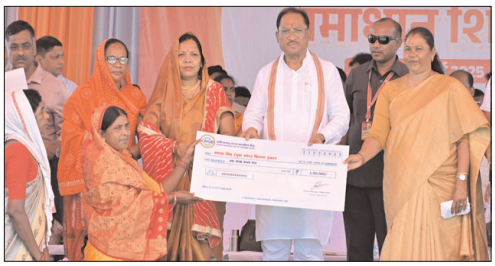

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हेलीकॉप्टर आज जशपुर जिले के ग्राम दोकड़ा में अचानक उतरा और वे वहां आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर दोकडा में कालेज और मिनी स्टेडियम की घोषणा की। उन्होंने वहां के प्राथमिकता स्वास्थ्य केन्द्र, वनवासी कल्याण आश्रम के उन्नयन, के साथ ही डोरियामुडा जलाशय का सौन्दर्यकरण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मंगल भवन के जिर्णोद्धार के लिए 20 लाख और शिव मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार कराए जाने की भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम लोग गांव-गांव पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वे सूची में जितने भी हितग्राहियों का नाम है सभी को पीएम आवास स्वीकृत किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्षों में मोदी जी की अधिकांश गारंटी को हमारी सरकार ने पूरा किया है। सुशासन तिहार के दौरान पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को नए आवास स्वीकृति के साथ ही पूर्ण हो चुके गए पीएम आवासों की चाँबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सशासन तिहार के अंतर्गत शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं और मांगों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में लोगों को ऑनलाईन तथा बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र खोला गया है इन केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन विभिन्न प्रकार के दस्तावेज प्राप्त करने और राशि के लेन-देन की सुविधा ग्रामीणों को मिलने लगी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी पत्नी श्रीमती कौशल्या साय, सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को गृह प्रवेश के लिए घर की चाबी तथा नए आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र, हितग्राहियों को मुद्रा लोन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नए राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, मछली जाल और आईस बाक्स, मनरेगा जाब कार्ड, वालीबॉल और क्रिकेट खिलाड़ियों को किट प्रदान किए। उन्होंने इस मौके पर हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल के बोर्ड परीक्षा में मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री का हरगवां गांव में औचक दौरा, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर आज जनपद पंचायत शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत हरगवां स्थित ढोढ ?िखाला (नवापारा) पारा में उतरा। मुख्यमंत्री का यह दौरा सुशासन तिहार कार्यक्रम के तहत औचक निरीक्षण के रूप में रहा। मुख्यमंत्री को अचानक गांव में हेलीकॉप्टर से उतरते देख ग्रामीणों में खुशी और उत्सुकता की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग चौपर देखने दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री साय का पांव पखार उन्हें टीका लगाया और सरई पत्ते की माला पहनाई। स्वागत गीत भी गाया गया। हरगवां गांव आदिवासी बहुल क्षेत्र है और यहां पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ढोढ ?िखाला पारा में कटहल, आम और महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई। चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने खुलकर अपनी बातें रखीं। एक महिला ने पानी की समस्या बताई, जिस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से वास्तविक जानकारी ली। इसी तरह, बेलसर गांव की श्रीमती दीपू बघेल ने वन भूमि पट्टा पर खेती न कर पाने की बात बताई। मुख्यमंत्री ने इस पर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग को तत्काल जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से पूछा कि सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, पटवारी गांव में आते हैं या नहीं और राजस्व संबंधी कोई समस्या तो नहीं है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत ढोढ ?िखाला पारा में स्वीकृत 19 आवासों में से 16 आवास पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में भी जानकारी ली और ग्रामीणों से योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय के साथ मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के पहुंचने की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे।

सचिवालय सेवा के तीन अनुभाग अधिकारियों के तबादले

रायपुर। सचिवालय सेवा के तीन अनुभाग अधिकारियों के तबादले किए हैं जिनमें श्रीमती कुसुम कांत कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग, आनंद शुक्ला वित्त से सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-4) और केनस नायक स्कूल शिक्षा से कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग स्थानांतरित किए गए हैं।

नया रायपुर के सेक्टर 17 कायाबांधा में सड़क हादसा, 4 घायल

रायपुर। नया रायपुर के सेक्टर 17 कायाबांधा में स्थित फायर ब्रिगेड के बिल्डिंग के पास इनोवा ने मारुति सेलेरियो कार को जोरदार टक्कर मारी जिससे कार में सवार 1 पुरुष, 1 महिला और 2 बच्चे समेत कुल 4 लोग घायल हो गए जिन्हें बालको अस्पताल में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि इनोवा कार डीआईजी सीआरपीएफ की है इसमे कोई अधिकारी नहीं था, केवल वाहन चालक ही सवार था। फिलहाल मदिर हसौद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रदेश के अस्पतालों को मिले 7 नए विशेषज्ञ चिकित्सक

00 स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने जारी किया आदेश, 00 ग्रामीण और शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला अस्पतालों को मिले नए विशेषज्ञ चिकित्सक

रायपुर। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 7 विशेषज्ञ चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इन चिकित्सकों की तैनाती प्रदेश के विभिन्न जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में 07 संविदा विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। इससे त्वरित और बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी तथा चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा। इन चिकित्सकों को संबंधित जिलों के ग्रामीण एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आज नवीन संविदा नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के जारी आदेश में डॉ पियुष देवांगन व डॉ विवेक सिंह को जिला अस्पताल बालोद, डॉ. अर्पित यादव, जिला अस्पताल कबीरधाम, डॉ शशिकांत कुमार जिला अस्पताल मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, डॉ संजय कुमार अग्रवाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरायपाली, जिला महासमुंद, डॉ घनश्याम गंगवानी व डॉ. प्रियंका जोशी की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरगांव, जिला मुंगेली में पदस्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। बीते एक वर्ष में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए है। प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत बड़ी संख्या में संविदा मानव संसाधनों की नियुक्ति की गई है। जनवरी 2024 से अप्रैल 2025 तक 88 विशेषज्ञ चिकित्सक, 432 चिकित्सा अधिकारी, 344 स्टाफ नर्स, 87 एएनएम, 75 लैब टेक्नीशियन, 279 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और 878 अन्य पदों पर संविदा नियुक्तियाँ की गई हैं। इससे राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकीय सेवाएँ और अधिक सशक्त हुई हैं।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का यह विस्तार केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित और लक्ष्य आधारित नीति निर्माण का उदाहरण है। स्वास्थ्य केंद्रों की क्षमता बढ़ाने और आमजन को समय पर इलाज देने की दिशा में यह नियुक्तियाँ मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

शिक्षक ही गढ़ते हैं बच्चों के जीवन की दिशा : डॉ. वर्णिका

00 मोर मयारू गुरूजी कार्यक्रम में शिक्षकों को बाल अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

रायपुर। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में मोर मयारू गुरूजी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर रायपुर जिले के 77 शिक्षकों ने सहभागिता की और बाल अधिकारों के संरक्षण, बच्चों के मानसिक विकास एवं शिक्षकों की भूमिका पर गहन विमर्श हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, जब बच्चा पांच वर्ष का होता है, तब माता-पिता उसे शिक्षकों के हवाले कर देते हैं। इसके बाद उसके जीवन की दिशा और सोच को आकार देने का कार्य शिक्षक करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे इस भूमिका को पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाएं।

डॉ. शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि एक मिशन है, जिसका उद्देश्य है बच्चों को सशक्त, आत्मविश्वासी और नैतिक नागरिक के रूप में गढ़ ?ा। उन्होंने बच्चों की सहभागिता, शोषण से सुरक्षा और व्यक्तित्व विकास के अधिकारों को समझाने के लिए शिक्षकों से संवाद किया। मैं तो तोर छाया हरव यह भावपूर्ण उद्घोष कार्यक्रम की आत्मा बनकर सामने आया, जिसमें यह संदेश छिपा है कि शिक्षक अपने शिष्य के लिए सिर्फ मार्गदर्शक नहीं, बल्कि एक छाया की तरह रक्षक भी होता है।

निर्माण पर पड़ता है। उन्होंने बच्चों की सहभागिता, शोषण से सुरक्षा और व्यक्तित्व विकास के अधिकारों को समझाने के लिए शिक्षकों से संवाद किया। मैं तो तोर छाया हरव यह भावपूर्ण उद्घोष कार्यक्रम की आत्मा बनकर सामने आया, जिसमें यह संदेश छिपा है कि शिक्षक अपने शिष्य के लिए सिर्फ मार्गदर्शक नहीं, बल्कि एक छाया की तरह रक्षक भी होता है।

शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने युक्तियुक्तकरण जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की व्यवस्था को बेहतर और ज्यादा प्रभावशाली बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है वहां शिक्षक उपलब्ध हों और बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। युक्तियुक्तकरण का मतलब है स्कूलों और शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह से सुधारना कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो और कोई भी स्कूल बिना शिक्षक के न रहे।

वास्तविक स्थिति क्या है?

राज्य की 30,700 प्राथमिक शालाओं में औसतन 21.84 बच्चे प्रति शिक्षक हैं और 13,149 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 26.2 बच्चे प्रति शिक्षक हैं, जो कि राष्ट्रीय औसत से कहीं बेहतर है। हालांकि 212 प्राथमिक स्कूल अभी भी शिक्षक विहीन हैं और 6,872 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक कार्यरत है। पूर्व माध्यमिक स्तर पर 48 स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और 255 स्कूलों में केवल एक शिक्षक है। 362 स्कूल ऐसे भी हैं जहां शिक्षक तो हैं, लेकिन एक भी छात्र नहीं है।

इसी तरह शहरी क्षेत्र में 527 स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात 10 या उससे कम है। 1,106 स्कूलों में यह अनुपात 11 से 20 के बीच है। 837 स्कूलों में यह अनुपात 21 से 30 के बीच है। लेकिन 245 स्कूलों में यह अनुपात 40 या उससे भी ज्यादा है, यानी छात्रों की दर्ज संख्या के अनुपात में शिक्षक कम हैं।

युक्तियुक्तकरण के क्या होंगे फायदे?

जिन स्कूलों में ज्यादा शिक्षक हैं लेकिन छात्र नहीं, वहां से शिक्षकों को निकालकर उन स्कूलों में भेजा जाएगा जहां शिक्षक नहीं हैं। इससे शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों की समस्या दूर होगी। स्कूल संचालन का खर्च भी कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक ही परिसर में ज्यादा कक्षाएं और सुविधाएं मिलने से बच्चों को बार-बार एडमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित होंगे तो प्राथमिक कक्षाएं पास करने के बाद विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में एडमिशन कराने की प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा। इससे बच्चों को पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। बच्चों के स्कूल छोड़ ?े की दर (ड्रॉपआउट रेट) भी घटेगी। अच्छी बिल्डिंग, लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही जगह देना आसान होगा।

शिक्षा विभाग ने कतिपय शैक्षिक संगठनों द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पर उठाए गए भ्रामक सवालों के संबंध में स्पष्ट किया है कि युक्तियुक्तकरण का मकसद किसी स्कूल को बंद करना नहीं है बल्कि उसे बेहतर बनाना है। यह निर्णय बच्चों के हित में, और शिक्षकों की बेहतर तैनाती के लिए लिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ज्यादा सशक्त और संतुलित बनाएगी। युक्तियुक्तकरण से न सिर्फ शिक्षकों का समुचित उपयोग होगा, बल्कि बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी मिल सकेगी।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टूटेजा, नरेन्द्र सिंह टूटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (गोंदा थाना के सामने) गोंदा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फर्स्ट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टूटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टूटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com